दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 एंड हाई टेक बनाएगी रेलवे का सामान

5 मोबाइल में देखी रील... फिर 5वीं के छात्र ने खूंटी से लगा लिया फंदा

8 आग बबूला हुए फैंस के रिएक्शन वायरल

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 22 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 25 दिसम्बर, 2023

रात चढ़ते ही छाया कोहरा, कई इलाकों में हो सकती है हल्की बारिश

हवा-बादल ने बढ़ाई गलन

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, दिन के तापमान में क्रमिक गिरावट जारी रहेगी।

लखनऊ। कोहरे और खराब मौसम से लखनऊ आने वाली 13 फ्लाइटें प्रभावित रहीं। मुंबई से इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2442 दो घंटे से ज्यादा देरी से पहुंची। इससे पहले मुंबई एयरपोर्ट पर यात्रियों ने हंगामा किया। कोहरा छाया रहा, इसके बाद बादलों ने डेरा डाल लिया। एक तो धूप की कमी, दूसरे चलती हवाएं गलन का अहसास कराती रहीं। वहीं शाम ढलने के बाद धीरे–धीरे कोहरा बढ़ा, हालांकि यह घना कोहरा नहीं था, लेकिन लोगों को लगा कि इस सीजन में पहली बार रात में कोहरा छाया है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, दिन के तापमान में क्रमिक गिरावट जारी रहेगी, हालांकि न्यूनतम पारे में कुछ बढ़ोतरी होगी।

मौसम केंद्र पर तापमान 22.5 और न्यूनतम पारा 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, बादलों के कारण अधिकतम तापमान गिरेगा। एक पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के संकेत मिल रहे हैं। इसके कारण मेरठ, मुरादाबाद, सहारनपुर मंडल व दिल्ली एनसीआर के आसपास 23 को बूंदाबांदी के आसार हैं।

खराब मौसम से 13 उड़ानें प्रभावित

कोहरे और खराब मौसम से बृहस्पतिवार को लखनऊ आने वाली 13 फ्लाइटें प्रभावित रहीं। मुंबई से इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2442 दो घंटे से ज्यादा देरी से पहुंची। इससे पहले मुंबई एयरपोर्ट पर यात्रियों ने हंगामा किया। दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2017, गोरखपुर की 9आई 809, मुंबई की 6ई 2442, अमृतसर की 6ई 6165 समेत कई फ्लाइटें देरी से आईं और गईं। उधर, एयरपोर्ट पर डिजी यात्रा सेवा है। इसमें यात्री बिना आईकार्ड दिखाए फेस रिकग्निशन से सीधे भीतर जा सकते हैं। बृहस्पतिवार को इसमें तकनीकी गड़बड़ी से यात्रियों को दिक्कत हुई। एयर इंडिया की दुबई से लखनऊ के बीच की फ्लाइट संख्या आईएक्स 194 तकनीकी कारणों से निरस्त हो गई।

रवि किशन ने मोमोज के पैसे दिए या नहीं..

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का गोरखपुर में भाजपा सांसद रवि किशन के साथ मजाकिया अंदाज देखने को मिला जो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। सीएम योगी ने एक दुकानदार से सवाल पूछा क्या तुम्हारी दुकान से मोमोज खाने के बाद रवि किशन ने पैसे दिए थे। जिसका जवाब रवि किशन ने तुरंत अपनी सीट से उठकर दिया।

डिजिटल डेस्क, नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का गोरखपुर में भाजपा सांसद रवि किशन के साथ मजाकिया अंदाज देखने को मिला, जो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। सीएम योगी ने एक दुकानदार से सवाल पूछा क्या तुम्हारी दुकान से मोमोज खाने के बाद रवि किशन ने पैसे दिए थे। जिसका जवाब रवि किशन ने तुरंत अपनी सीट से उठकर दिया। सांसद की प्रतिक्रिया और योगी आदित्यनाथ का यह मजाकिया अंदाज लोगों को काफी पसंद आ रही है।

दरअसल भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा गोरखपुर पहुंचे। सीएम योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और सांसद रवि किशन समेत प्रदेश के तमाम दिग्गज नेता एक कार्यक्रम में शामिल हुए। जहां पर सीएम योगी ने एक दुकानदार से बात करते हुए सवाल किया।

सीएम योगी ने पूछा सवाल

सीएम योगी ने मोजोज बेचने वाले एक दुकानदार से पूछा– "क्या तुम्हारी दुकान में यहां मौजूद कोई भी व्यक्ति आपकी दुकान में खाने के लिए आया है?" दुकानदार ने जवाब देते हुए कहा– "हमारे सांसद जी आए थे।"सीएम ने हंसते हुए दुकानदार से पूछा– "पैमेंट करके गए थे या नहीं" योगी के इस सवाल पर वहां मौजूद जेपी नड्डा, भूपेंद्र चौधरी समेत सभी लोग ठहाके मारकर हंसने लगे। वहीं सांसद रवि किशन तुरंत खड़े होकर सफाई देने लगे। दुकानदार से बोले– बताओ पैसे दिए थे या नहीं। दुकानदार ने जवाब दिया– हां रुपये दिए थे।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ नौनिहालों का अन्नप्राशन कराने तथा गर्भवतियों की गोदभराई करने के बाद वहां लगे विभिन्न विभागों के स्टालों का अवलोकन भी किया। अंत में मुख्यमंत्री योगी नड्डा को स्मृति चिह्न भेंटकर अभिनंदन किया। इस दौरान राष्ट्रीय महामंत्री व राज्यसभा सदस्य डा. राधामोहन दास अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह, सांसद रवि किशन, महापौर डा. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक राजेश त्रिपाठी समेत कई नेता मौजूद रहे।

मध्यप्रदेश

23 या 24 दिसंबर को हो सकता है मंत्रिमंडल विस्तार

मंत्रिमंडल गठन को लेकर दिल्ली में डटे सीएम मोहन यादव

दिल्ली। ऐसी संभावना है कि 23 या 24 दिसंबर को मंत्रिमंडल का गठन हो सकता है। मंत्रिमंडल में पुराने चेहरों यानी मंत्री रह चुके नेताओं के बजाय नए चेहरों को तवज्जो मिल सकती है। तीन से पांच बार विधायक बनने के बाद भी मंत्री पद से चूके नेताओं को मंत्रिमंडल में जगह दी जा सकती है... मध्यप्रदेश के नए मुख्यमंत्री इन दिनों मंत्रिमंडल गठन को लेकर भोपाल से दिल्ली तक की दौड़ लगा रहे हैं। इस बीच सीएम डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को प्रदेश के सांसदों के साथ डिनर किया। गुरुवार को डिनर के बाद मध्यप्रदेश के सीएम यादव केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात करने पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। शुक्रवार सुबह डॉ. यादव प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करने पहुंचे। सीएम यादव के साथ डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला भी मौजूद रहे। पीएम से मुलाकात के बाद सीएम ने कहा कि पीएम से मुलाकात कर मध्यप्रदेश के विकास, प्रगति और जनहित से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त किया। जानकारी के अनुसार, पीएम मोदी इंदौर के हुकुमचंद मिल के मजदूरों को दी जाने वाली राशि के कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़ सकते हैं। सीएम ने पीएम से इस कार्यक्रम में जुड़ने का आग्रह किया था। जिसकी स्वीकृति पीएम ने दे दी है। इसी बीच सीएम की हाईकमान के साथ हुई बैठक में मंत्रिमंडल के सदस्यों की सूची को अंतिम रूप दे दिया गया है। ऐसी संभावना है कि 23 या 24 दिसंबर को मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है। मंत्रिमंडल में पुराने चेहरों यानी मंत्री रह चुके नेताओं के बजाय नए चेहरों को तवज्जो मिल सकती है। तीन से पांच बार विधायक बनने के बाद भी मंत्री पद से चूके नेताओं को मंत्रिमंडल में जगह दी जा सकती है।

गोरखपुर में एंबुलेंस माफिया को जेल...

गोरखपुर। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने कहा कि पुलिस ने स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश कर मरीज की खरीद–फरोख्त करने वाले पांच एंबुलेंस माफिया पर कार्रवाई की थी। अब इन पर गैंगस्टर का केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की संपत्तियों का ब्योरा जुटा रही है। मरीजों को बरगला कर नर्सिंग होम पहुंचाने वाले गैंगस्टर आरोपी आसिफ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बृहस्पतिवार को पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। वहीं, चार अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें लगा दी गई हैं। बुधवार की देर शाम आसिफ की गिरफ्तारी के बाद परिजनों ने आसपास के लोगों के साथ मेडिकल कॉलेज चौकी पर पहुंचकर हंगामा भी किया था। हालांकि, पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया था।

गिरफ्तार किया गया आसिफ अली उर्फ गोलू पुत्र लाल मोहम्मद फतेपुर थाना चिलुआताल का रहने वाला है। इसके साथ ही पुलिस अब सभी आरोपियों की संपत्तियों का ब्योरा जुटाना शुरू कर दी है। जल्द ही गैंगस्टर एक्ट के तहत उन पर कार्रवाई की जानी है। जानकारी के मुताबिक, जिन एंबुलेंस माफिया पर पुलिस ने गैंगस्टर की कार्रवाई की है, वे मरीजों को मेडिकल कॉलेज से नर्सिंग होम पहुंचाते ही रुपये वसूल लेते थे।

इस काम के लिए भी मरीज के मर्ज के हिसाब से रुपये मिलते थे। अगर मरीज का ऑपरेशन होना होता है तो पंद्रह से बीच हजार रुपये, नहीं तो मरीज पहुंचाने के लिए दस हजार रुपये मिलना तय था। ऐसे में मरीज को मात्र चार किलोमीटर की दूरी तक पहुंचाने के लिए इतने रुपये मिल जाते थे तो फिर एंबुलेंस माफिया दूसरे की जिंदगी के बारे में भी नहीं सोचते थे। एंबुलेंस माफिया तो पुलिस की चंगुल में आ चुके हैं, लेकिन इस गिरोह में शामिल मेडिकल कॉलेज के कर्मचारी अब भी बचे हैं। क्योंकि मेडिकल कॉलेज की जांच पूरी नहीं हो सकी है। इस वजह से अब तक उनका नाम उजागर नहीं हो सका है। वहीं, अब पुलिस एंबुलेंस माफिया पर गैंगस्टर की कार्रवाई करके बुलडोजर चलाने की तैयारी में है। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने कहा कि पुलिस ने स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश कर मरीज की खरीद–फरोख्त करने वाले पांच एंबुलेंस माफिया पर कार्रवाई की थी। अब इन पर गैंगस्टर का केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की संपत्तियों का ब्योरा जुटा रही है। जल्द ही इनकी अवैध कमाई से अर्जित संपत्तियों को गैंगस्टर एक्ट के तहत सीज करने की कार्रवाई की जाएगी।

रामगढ़ ताल नौकायन केंद्र पर क्रूज के साथ सेल्फी लेते लोग। –

सम्पादकीय

हमें पहले जीतकर आना होगा, उसके बाद लोकतांत्रिक तरीके से हमारे चुने हुए सांसद तय कर लेंगे कि प्रधानमंत्री पद पर कौन बैठेगा

लोकतंत्र का तमाशा और इंडिया की राह

हमें पहले जीतकर आना होगा, उसके बाद लोकतांत्रिक तरीके से हमारे चुने हुए सांसद तय कर लेंगे कि प्रधानमंत्री पद पर कौन बैठेगा। ये महत्वपूर्ण बयान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को दिया है। इंडिया गठबंधन की चौथी बैठक मंगलवार 19 दिसम्बर को दिल्ली में हुई, जिसमें गठबंधन के सभी 28 दलों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। भाजपा के खिलाफ बने इस विपक्षी गठबंधन की इस बार की बैठक कई मायनों में महत्वपूर्ण थी। मुंबई में हुई तीसरी बैठक के बाद अब जाकर हुई इस चौथी बैठक में काफी लंबा अंतराल रहा, और इस दरम्यान इंडिया गठबंधन को लेकर जितने किस्म की अफवाहें मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए फैलाई जा सकती थीं, वो सब फैलाई गईं। इन अफवाहों में दस बार इंडिया गठबंधन में टूट पड़ी, उसके नेताओं की राहें अलग हो गईं, अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी और नीतीश कुमार जैसे नामों को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बताते हुए यह भी कहा गया कि ये सब कांग्रेस के खिलाफ एक हो सकते हैं। इस बीच हुए विधानसभा चुनावों में मध्यप्रदेश में सीटों को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच हुए मतभेद को सीधे अखिलेश यादव की कांग्रेस को चुनौती के तौर पर पेश किया जाने लगा। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की हार को सीधे इंडिया की हार से जोड़ा गया और लगे हाथ ये तर्क भी दिया गया कि अब इंडिया गठबंधन में कांग्रेस की भूमिका कमतर हो जाएगी। अब तक कांग्रेस बड़े भाई की भूमिका में थी, लेकिन अब बाकी दल उसकी बात नहीं सुनेंगे। लेकिन ये तमाम दावे मंगलवार को तब खोखले साबित हो गए, जब बैठक के बाद सभी दलों ने श्री खड़गे को ही प्रेस को संबोधित करने के लिए कहा। इससे पहले खबर ये भी आई कि बैठक में ममता बनर्जी ने गठबंधन के संयोजक पद के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे के नाम को प्रस्तावित किया और अरविंद केजरीवाल ने उसका समर्थन किया। हालांकि अभी संयोजक पद के लिए किसी नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

लेकिन जिन ममता बनर्जी के लिए कहा जा रहा था कि वे कांग्रेस को अग्रणी भूमिका में नहीं आने देना चाहती हैं, उन्होंने ही श्री खड़गे के नाम को आगे बढ़ाकर ये बता दिया कि आने वाले लोकसभा चुनावों में इंडिया का नेतृत्व कांग्रेस ही मुख्य रूप से करेगी। गौरतलब है कि बैठक के लिए इससे पहले दिल्ली पहुंची ममता बनर्जी ने बयान दिया था कि इंडिया के प्रधानमंत्री उम्मीदवार का फैसला 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद किया जाएगा। इस सीधे बयान को जबरदस्ती तोड़–मरोड़ कर अन्य अर्थों में पेश किया जा रहा था। जबकि सुश्री बनर्जी और श्री खड़गे एक जैसी बात ही कह रहे हैं।

दरअसल इस समय देश में जो राजनैतिक माहौल बन चुका है, उसमें इंडिया गठबंधन के सभी दलों को यह स्पष्ट हो चुका है कि उनके लिए एकजुट रहना सबसे बड़ी प्राथमिकता है, बाकी सारी बातें दोयम हैं। यही बात अब देश की जनता को भी समझने की जरूरत है। देश के संसदीय इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ कि एक साथ 151 विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया जाए। प्रधानमंत्री मोदी भारत के लिए मदर ऑफ डेमोक्रेसी की उपमा देते हैं, लेकिन आज उसी भारत में मर्डर ऑफ डेमोक्रेसी जैसा नजारा बन चुका है।

लोकतंत्र तभी जिंदा कहलाएगा, जब सत्ता पक्ष के साथ संसद में विपक्ष भी मौजूद हो। जब विपक्ष को सवाल पूछने और सत्ता से जवाब मांगने पर दंडित किया जाए। जब विपक्ष की गैरमौजूदगी में बिना चर्चा के महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कर कानून बनाने का रास्ता तैयार हो जाए, तब हम कैसे दावा कर सकते हैं कि हमारे देश में लोकतंत्र जिंदा है। संसद तक पहुंचा एक–एक प्रतिनिधि कम से कम अपने संसदीय क्षेत्र के 15–20 लाख लोगों की आवाज बनता है। अब हिसाब लगा लीजिए कि 151 सांसदों को निलंबित कर एक झटके में कितने करोड़ लोगों की आवाज को मोदी सरकार ने खामोश करवा दिया। प्रधानमंत्री मोदी पिछले कुछ वक्त से मेरे देशवासियों, मित्रो या भाइयो–बहनो की जगह मेरे परिवारजनो का संबोधन जनता को देते हैं, तो उनसे पूछा जाना चाहिए कि अपने परिवार के करोड़ों लोगों की जुबान पर ताला लगवाकर आखिर कौन से परिवार धर्म का पालन किया जा रहा है।संसद का नया भवन जब उद्घाटित हुआ था तब श्री मोदी ने विपक्ष को मिलकर साथ चलने की नसीहत दी थी, रोना–धोना छोड़ने कहा था। उनके शब्दों के वास्तविक अर्थ शायद अब जाकर खुले हैं कि असल में प्रधानमंत्री विपक्ष को आगाह कर रहे थे कि संसद में बहस और चिंतन, सवाल और जवाब की परिपाटी पुराने भवन में ही स्मारक की तरह सजा दी गई है, नए भवन में यह सब नहीं होगा, केवल मन की बात होगी। जो कोई मन की बात सुनने से इंकार करेगा, उसे लोकतंत्र पर अच्छा लेक्चर सुनाकर बाहर कर दिया जाएगा। असल में संसद का नया भवन केवल नाम को ही संसद भवन रह गया है, इसे शायद आने वाली पीढ़ियां लोकतंत्र के मकबरे की तरह याद रखें।

अगर हम देश की धड़कनों को सुनाने वाली संसद को मकबरे में तब्दील होते नहीं देखना चाहते हैं तो फिर हर हाल में लोकतंत्र की परिपाटियों को जिंदा रखना होगा। और इसके लिए केवल कुछ दलों पर जिम्मेदारी नहीं डाली जा सकती है, बल्कि यह देश के हरेक नागरिक, हरेक संस्था, हरेक राजनैतिक दल का कर्तव्य है। लेकिन फिलहाल इंडिया गठबंधन के दल ही लोकतंत्र के लिए बेचैन नजर आ रहे हैं। क्या भाजपा के सभी नेता संसद में जो कुछ हुआ, उससे सहमत हैं। क्या बसपा, एआईएमआईएम, वाईएसआर कांग्रेस, टीडीपी, बीआरएस, बीजेडी जैसे तमाम दल अब भी लोकतंत्र का तमाशा बनते देख कर चुप रहेंगे। क्या कांग्रेस से उनकी अदावत लोकतंत्र और देश से भी बड़ी है। इन सवालों पर ईमानदारी से जवाब तलाशने होंगे, वर्ना आने वाली पीढ़ियां भारतीय लोकतंत्र को कहानियों में ही सुन पाएंगी।

सामने आया अग्निपथ पर सरकार का झूठ

अग्निपथ योजना को लागू करते वक्त जो आशंकाएं जाहिर की गई थी

अग्निपथ योजना को लागू करते वक्त जो आशंकाएं जाहिर की गई थीं, वे सच साबित होती हुई सामने आ गई हैं। युवाओं की, सेना के तीनों अंगों में बहुत कम अवधि के लिये और काफी कम तनख्वाह पर भर्ती करने की यह योजना केन्द्र सरकार द्वारा जून 2020 में लागू की गई थी। इसके अंतर्गत 17 से 21 वर्ष तक की उम्र के युवाओं को प्रति माह 30 हजार रुपये के वेतन पर सेना में भर्ती किया जाता है जो चार साल के बाद सेवानिवृत्त कर दिये जाएंगे। सरकार ने योजना को लागू करते समय कहा था कि इसके लिये सेना के उच्चाधिकारियों एवं सेना विशेषज्ञों से राय ली गई है। अब पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल (सेवानिवृत्त) एमएम नरवणे की किताब में इसे लेकर खुलासा हुआ है कि इस योजना को देखकर तीनों सेनाएं चौंक गई थीं। इसका अर्थ यह है कि उनकी सलाह लिये बिना ही यह योजना लाई गई थी। नरवणे ने इसमें अनेक खामियां बतलाई हैं। यह भी बतलाया है कि उसे लेकर जो सरकार द्वारा कहा गया था उसके मुकाबले यह योजना एकदम से अलग थी जो सेना के किसी भी अंग द्वारा स्वेच्छा से स्वीकार्य नहीं हो सकती थी।

31 दिसम्बर, 2019 से 30 अप्रैल, 2022 तक सेना प्रमुख रहे जनरल (रिटायर्ड) मनोज मुकुंद नरवणे ने अपनी किताब 'फॉर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' में लिखा है कि अग्निपथ योजना के कई स्वरूपों पर विचार किया गया था। सेना की प्रारम्भिक सिफारिश थी कि 75 प्रतिशत सैनिकों को काम करते रहना चाहिये और 25 फीसदी की क्रमिक रूप से सेवानिवृत्ति होनी चाहिये। उन्होंने यह भी बताया कि साल 2020 में प्रधानमंत्री के साथ हुई बैठक में कहा गया था कि यह एक सीमित तरीके से सेना में भर्ती योजना की तरह रहेगी और इसका नाम 'टूर ऑफ ड्यूटी' होगा; जबकि योजना जब पेश की गई तो पाया गया कि यह व्यापक तौर पर लागू की गई थी। वायु सेना के उच्चाधिकारियों को भी इससे झटका लगा था। सरकार की ओर से थल, वायु व नौसेना के लिये यह अचानक लागू कर दी गई थी।

जनरल नरवणे लिखते हैं कि अग्निपथ में पहले साल अग्निवीर का प्रारम्भिक वेतन सारा कुछ मिलाकर 20 हजार रुपये प्रति माह था जो सेना को बिल्कुल स्वीकार्य नहीं हुआ। सेना का कहना था कि एक प्रशिक्षित सैनिक से उम्मीद तो की जाती है कि वह देश के लिए जान कुर्बान कर देगा परन्तु उसे बहुत ही कम तनख्वाह दी जा रही है। किसी सैनिक की तुलना एक दिहाड़ी मजदूर से नहीं की जा सकती। सेना की जोरदार सिफ़ारिशों के कारण बाद में इसे बढ़ाकर 30 हजार प्रति माह किया गया।

चार साल की अवधि के लिए सैनिकों, नौ सैनिकों और वायुसैनिकों की भर्ती के लिए जून, 2022 में शुरू की गई अग्निपथ योजना ने भारतीय सेना को आश्चर्यचकित कर दिया था, जबकि यह नौसेना और वायु सेना, के लिए भी 'अचानक मिला झटका' था। जनरल नरवणे आगे लिखते हैं कि उन्हें नौसेना को समझाने में काफी समय लगा था और बहुत मुश्किलें आई थीं। वे यह भी बताते हैं कि तीनों अंगों में भर्ती का मामला होने के कारण इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी तत्कालीन चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत पर आ गई थी, जो एक दुर्घटना में नहीं रहे।

14 जून, 2022 को केंद्र सरकार द्वारा लागू करते वक्त अग्निपथ योजना को चार साल के लिए सशस्त्र बलों में सैनिकों की भर्ती के लिए 'परिवर्तनकारी योजना' बतलाया गया। नियमित तौर पर भर्ती की पहले से जारी पिछली प्रक्रिया को खत्म कर दिया गया। अग्निपथ योजना में भारतीय सेना ने दो बैचों में तहत 40 हजार अग्निवीरों को शामिल किया। पहला बैच दिसंबर, 2022 और दूसरा फरवरी, 2023 में भर्ती हुआ। चार साल पूरे होने पर 25 प्रश सेवा छोड़ने पर अग्निवीर किसी अन्य प्रक्रिया के तहत नियमित कैडर में शामिल हो सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि इस योजना को जब लागू किया गया था तो देश भर में इसका विरोध हुआ था। विरोध के कई कारण बताये गये थे जिनमें प्रमुख यह था कि चार साल की अवधि बहुत कम होती है और एक सैनिक को पूर्ण प्रशिक्षण लेने में 5 से 7 वर्ष लग जाते हैं। बहुत कम समय में तैयार ऐसे युवाओं को युद्ध में भेजने का मतलब होगा उन्हें मौत के मुंह में डालना।

योजना के विरोध के पीछे एक और समाज वैज्ञानिक तर्क दिया गया था जो आज भी प्रासंगिक व विचारणीय है। वह यह था कि 21 से 25 वर्ष की आयु पूरी होने पर जब युवा नौकरी छोड़ेगा तब उसके आगे बेरोजगार होने का खतरा तो बना रहेगा, दूसरी ओर सेना में रहकर शस्त्र चलाना सीखने के बाद वह समाज के लिये घातक हो सकता है। ऐसे युवा समाज के सशस्त्रीकरण की राह प्रशस्त कर सकते हैं।

हालांकि सरकार का तर्क है कि नौकरी छोड़ते वक्त अग्निवीर को एकमुश्त 12 लाख रुपये की राशि मिलेगी जिससे वह आगे की पढ़ाई कर सकता है या कोई व्यवसाय कर सकता है। यह आकर्षण या भुलावा हो सकता है क्योंकि वर्तमान महंगाई को देखते हुए यह राशि बहुत कम है। चूंकि अब तक जितने लोग भर्ती हुए हैं उनमें से फिलहाल कोई सेवानिवृत्त नहीं हुआ है। पहला बैच 2026 को बाहर निकलेगा। उसके बाद ही पता चलेगा कि ये भूतपूर्व अग्निवीर समाज को क्या योगदान देते हैं और शेष जीवन कैसा गुजारते हैं। बहरहाल नरवणे के खुलासे से साफ है कि केन्द्र सरकार ने इस बाबत देश को गुमराह किया था।

विपक्ष को यह समझना चाहिए कि शैक्षणिक संस्थाओं सहित राज्य तंत्र की विभिन्न संस्थाओं में हिन्दू राष्ट्रवादियों की घुसपैठ गंभीर चिंता का विषय है

क्या विधानसभा चुनाव, लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल हैं?

विपक्ष को यह समझना चाहिए कि शैक्षणिक संस्थाओं सहित राज्य तंत्र की विभिन्न संस्थाओं में हिन्दू राष्ट्रवादियों की घुसपैठ गंभीर चिंता का विषय है। इन सारे मुद्दों पर विचार कर विपक्ष एक होगा, हम यह मान सकते हैं। और अगर वह एक हो गया तो चुनाव जीतना उसके लिए बहुत मुश्किल नहीं होगा। चुनाव में विजय, देश को हिन्दू राष्ट्रवादी एजेंडा के चंगुल से निकलने की दिशा में पहला कदम होगा। हाल में संपन्न राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिज़ोरम के विधानसभा चुनावों में कई कारणों से पूरे देश की भारी दिलचस्पी थी. भाजपा पिछले दस सालों से केंद्र में सत्ता में है और उसने जो नीतियां लागू की हैं, उनका देश पर भयावह प्रभाव पड़ा है। चाहे वह नोटबंदी हो, जीएसटी हो या रातोंरात लागू किया गया कोरोना लॉकडाउन– सबसे अधिक आम जनता की खासी फजीहत हुई। देश में सरकारें और ज्यादा तानाशाह होती जा रही हैं और व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं पर तरह–तरह की रोकें लगाई जा रही हैं। हंगर इंडेक्स में देश की गिरती हुई स्थिति और लोगों की बढ़ती परेशानियां बहुत कुछ बता रही हैं। भाजपा सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 को कश्मीर से हटा दिया है। हमें बताया गया था कि इससे अतिवाद कम होगा। मगर ऐसा कुछ हुआ नहीं। देश भर में मुस्लिम अल्पसंख्यकों पर हमले जारी हैं और अलग–अलग स्थानों पर ईसाईयों के खिलाफ भी हिंसा हो रही है। इस पृष्ठभूमि में विपक्षी पार्टियों ने इंडिया गठबंधन का गठन किया। ऐसा कहा जा रहा था कि यह गठबंधन हमारे संविधान में निहित 'आईडिया ऑफ़ इंडिया' को संरक्षित रखने का प्रयास करेगा। सन् 2024 के लोकसभा चुनाव के सिलसिले में इस गठबंधन से बहुत उम्मीदें थीं।

मगर ऐसा लगता है कि विधानसभा चुनावों के नतीजों ने इन उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। कांग्रेस के राज्य–स्तरीय नेतृत्वों ने मनमानी करते हुए गठबंधन के अन्य दलों की उपेक्षा की। इससे दूसरी पार्टियां काफी नाराज़ हो गईं और गठबंधन के और मज़बूत होने की राह बाधित हो गई। कांग्रेस केवल तेलंगाना में जीत हासिल कर सकी और हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में उसे हार का सामना करना पड़ा। ये नतीजे चौंकाने वाले हैं क्योंकि अधिकांश एग्जिट पोल्स ने भविष्यवाणी की थी कि इन राज्यों में कांग्रेस का प्रदर्शन कहीं बेहतर रहेगा। इसलिए, कांग्रेस की हार एक पहेली बन गई है।

यह सही है कि यदि कांग्रेस का अन्य राष्ट्रीय एवं छोटे दलों के साथ गठबंधन होता तो उसका प्रदर्शन बेहतर होता। फिर भी, इन राज्यों में उसकी हार का तर्कसंगत स्पष्टीकरण नहीं दिया जा सकता। लोकसभा चुनाव के लिए अपनी रणनीति बनाते समय इस पहलू पर इंडिया गठबंधन के सदस्यों को ध्यान देना होगा।

इन परिणामों का एक पक्ष यह भी है कि अधिकांश दक्षिण भारत भाजपा मुक्त हो गया है। कुछ टिप्पणीकारों का तर्क है कि भाजपा की हिन्दू राष्ट्रवादी राजनीति के प्रति समर्थन मुख्यतः हिन्दी–भाषी राज्यों या काऊ बेल्ट तक सीमित है। कांग्रेस और अन्य दलों को इस बात तथ्य की ओर भी ध्यान देना चाहिए कि उसके तमाम दावों के बावजूद भाजपा की स्थिति बहुत मजबूत नहीं है। यदि हम इन पांच राज्यों में डाले गए कुल वोटों की बात करें तो कांग्रेस को 4.92 करोड़ वोट मिले हैं जबकि भाजपा को 4.81 करोड़ वोट ही हासिल हुए हैं। इसके अलावा मिजोरम, जहां अभी तक एनडीए गठबंधन की सरकार थी, भी उसके हाथ से निकल गया है।

कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटने के बारे में भी कयास लगाए जा रहे हैं। यह कार्यकर्ताओं की त्वरित प्रतिक्रिया हो सकती है। लेकिन समय बीतने के साथ पार्टी कार्यकर्ता, तेलंगाना की जीत और प्रतिद्वंद्वी भाजपा की तुलना में अच्छे खासे अधिक वोट हासिल करने को लेकर दुबारा जोश में आ सकते हैं। समय के साथ निराशा का भाव समाप्त हो जाएगा क्योंकि नेतृत्व स्थिति का सामना करने का हर संभव प्रयास कर रहा है। 'भारत जोड़ो यात्रा' इस दिशा में एक बड़ा कदम थी। पर्दे के पीछे कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे कार्यों और जोश पुनर्जीवित होने से पार्टी के उत्साह पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशा की जा सकती है। महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि क्या वे सभी दल, जो इंडिया गठबंधन में शामिल थे, एक बार फिर गठबंधन के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करेंगे? चुनाव के नतीजों से इंडिया गठबंधन को धक्का लगा है। इन तीन बड़े राज्यों में कांग्रेस की हार से कांग्रेस नेतृत्व चिंतन करेगा और उन गलतियों को सुधारने का प्रयास करेगा जिनके चलते गठबंधन के अन्य सदस्य नाराज हैं। विपक्षी दल यह अच्छी तरह जानते हैं कि वे अलग–अलग रहकर भाजपा की विशालकाय चुनावी मशीनरी का मुकाबला नहीं कर सकते। भाजपा के पास मानव संसाधन और धन प्रचुर मात्रा में हैं और उसमें दादागिरी करने की भी बहुत क्षमता है। मीडिया भी केन्द्र में सत्तारूढ़ पार्टी के चरणों में नतमस्तक है। विपक्षी दलों को यह एहसास भी है कि भाजपा अकेली नहीं है। उसे आरएसएस के प्रचारकों और स्वयंसेवकों की पूरी सहायता उपलब्ध है। वे यह भी जानते हैं कि आरएसएस के सहयोगी संगठन वीएचपी, एबीव्हीपी, बजरंग दल, वनवासी कल्याण आश्रम और उससे जुड़ी अन्य संस्थाएं हर चुनाव में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। चुनावी बांडों से प्राप्त अकूत धन, हिन्दू राष्ट्रवादी विचारधारा को एनआरआई का समर्थन और बड़े उद्योग समूह, जिन्हें भाजपा बहुत तरह की छूटें दे रही हैं, सब भाजपा के मददगार हैं। इस तथ्य से भी वे अवगत हैं।

गोरखपुर में हादसाः गड्ढे में स्कूली बस पलटी, दो छात्रों की मौत, आठ घायल

ये हुए हैं घायल

1– आयुष(14)पुत्र शिवकुमार निवासी तिवारीपुर,सिकरीगंज।
2– अभिनव(14)पुत्र राकेश सिंह निवासी हरिहरपुर, सिकरीगंज।
3– अंश(13) पुत्र शिवकुमार निवासी तिवारीपुर, सिकरीगंज।
4– रौनक(12) पुत्र गोपाल चंद, निवासी नरायनपुर, सिकरीगंज।
5– प्रज्ज्वल(13) पुत्र गोपाल चंद निवासी– नरायनपुर, सिकरीगंज।
6– मानवी शुक्ला(7) पुत्री योगेश शुक्ल निवासी सहुआ, सिकरीगंज।
7– श्रेया(8) पुत्री दीनानाथ निवासी सहुआ, सिकरीगंज।

गोरखपुर। उधनापार में स्थित यूएस सेंट्रल एकेडमी स्कूल की बस अलग–अलग गांव के बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी। स्कूल से महज तीन सौ मीटर पहले डंपर को ओवरटेक करने के चक्कर में स्कूल बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। सिकरीगंज थाना क्षेत्र के उधनापार के पास शुक्रवार की सुबह डंपर को ओवरटेक करने के चक्कर में स्कूल बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। हादसे में सगुआ गांव निवासी सातवीं की छात्रा प्रतिभा (14) और मठिया बारीगांव निवासी साक्षी पांडेय (8) की मौत हो गई।

वहीं आठ बच्चे घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर, हादसे के बाद चीख पुकार मच गई थी। उधर, घटना के बाद ग्रामीणों ने जाम लगा दिया है।

जानकारी के मुताबिक, उधनापार में स्थित यूएस सेंट्रल एकेडमी स्कूल की बस अलग–अलग गांव के बच्चों को लेकर स्कूल जा रही थी। स्कूल से महज तीन सौ मीटर पहले डंपर को ओवरटेक करने के चक्कर में स्कूल बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। हादसे में साक्षी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि प्रतिभा को जिला अस्पताल भेजा गया। रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। इसके अलावा घटना में घायल छात्रों को अलग–अलग अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीएम पोर्टल तक दबंगई की शिकायत पहुंचाई.. सराफा मंडी फिर गरमा

गोरखपुर। सराफ का कहना है कि एक व्यापारी के साथ लेनदेन का हिसाब था। उनकी तरफ से हिसाब हो चुका है, लेकिन व्यापारी बकाया बता रहे हैं। उन्हें आश्वस्त किया था कि अगर हिसाब में कुछ शेष रकम है तो वह भी चुका देंगे, लेकिन सराफा मंडल की टीम के लोग दुकान पर आए और भांजे को बाहर कर दुकान पर ताला लगा दिया।सराफा मंडी एकबार फिर गरमा गई है। एक सराफ ने बकाए भुगतान के मामले में सराफा मंडल के पदाधिकारियों पर उनकी दुकान पर जबरन ताला लगाने का आरोप लगाया है। सराफ ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल के साथ ही राजघाट थाने पर तहरीर देकर की है। सराफ का कहना है कि एक व्यापारी के साथ लेनदेन का हिसाब था। उनकी तरफ से हिसाब हो चुका है, लेकिन व्यापारी बकाया बता रहे हैं। उन्हें आश्वस्त किया था कि अगर हिसाब में कुछ शेष रकम है तो वह भी चुका देंगे, लेकिन सराफा मंडल की टीम के लोग दुकान पर आए और भांजे को बाहर कर दुकान पर ताला लगा दिया। उन्होंने भांजे को धमकी भी दी है कि कहीं भागदौड़ की तो हिंदी बाजार में दुकान नहीं खोल पाओगे।

बक्शीपुर निवासी प्रदीप कुमार वर्मा की हिंदी बाजार में आरपी सिल्वर पैलेस नाम से सोने–चांदी की दुकान है। उन्होंने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर की गई शिकायत में कहा है कि उन्होंने कुछ लोगों से कर्ज लिया है, जिसका प्रत्येक महीने ब्याज मूल बकाए में जमा करते रहते हैं। 20 दिसंबर को किसी काम से दुकान पर नहीं था।

एंड हाई टेक बनाएगी रेलवे का सामान

गोरखपुर। कमिश्नर अनिल ढींगरा ने उद्यमियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण एवं गोरखपुर विकास प्राधिकरण में भूमि की कमी नहीं है। यहां इंडस्ट्री लगाने वालों का पूरा सहयोग किया जाएगा। उद्यमी एक बार गीडा आकर अपनी जरूरत के अनुसार जमीन देख लें, जिसके बाद आवंटन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। गीडा व आसपास विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्र में बड़ी कंपनियों से निवेश के लिए प्रशासन ने बृहस्पतिवार की शाम वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बातचीत की। इस दौरान लुलु माल और अदाणी समूह के अलावा एंड हाइटेक कंपनी ने रेलवे का सामान और आरएसपीएल ग्रुप ने सीवीजी प्लांट लगाने के लिए जमीन की मांग की। इनको जमीन दिखाई जाएगी। उम्मीद है कि नए साल में इनमें से कुछ कंपनियों के साथ गीडा प्रशासन का एमओयू भी हो जाएगा। 30 नवंबर को गीडा के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में निवेश के लिए उद्यमियों का आह्वान किया था। उन्होंने इसके लिए करीब 80 उद्यमियों से बातचीत भी की थी। इसके बाद गीडा प्रशासन अब उद्यमियों के संपर्क में है।

इसी क्रम में बृहस्पतिवार की शाम साढ़े पांच बजे कमिश्नर अनिल ढींगरा, जीडीए वीसी आनंद वर्धन, सीईओ गीडा अनुज मलिक, एसडीएम गीडा अनुपम मिश्र ने लुलु ग्रुप, अदाणी ग्रुप, इंडियन शुगर टेक्नोलॉजी ग्रुप, दीप एसोसिएशन, रेड टेप, डीएस ग्रुप, आरएसपीएल ग्रुप, एंड हाइटेक समेत कई उद्योगों के प्रतिनिधियों के साथ ऑनलाइन बैठक की। सीईओ गीडा अनुज मलिक ने सबसे पहले गीडा के बदलते स्वरूप से सभी को अवगत कराया। साथ ही गीडा, औद्योगिक गलियारा और धुरियापार में जमीन की उपलब्धता के बारे में बताया। इसके बाद विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों के प्रस्ताव सुने। इस दौरान रेलवे की प्रमुख सप्लायर कंपनी एंड हाइटेक ने 100 एकड़ में फैक्टरी बनाने का प्रस्ताव दिया। इसके अलावा आरएसपीएल ग्रुप ने यहां 20 एकड़ में सीवीजी (कंप्रेस्ड बायो गैस) प्लांट लगाने का प्रस्ताव दिया। कमिश्नर अनिल ढींगरा ने उद्यमियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण एवं गोरखपुर विकास प्राधिकरण में भूमि की कमी नहीं है। यहां इंडस्ट्री लगाने वालों का पूरा सहयोग किया जाएगा। उद्यमी एक बार गीडा आकर अपनी जरूरत के अनुसार जमीन देख लें, जिसके बाद आवंटन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

लुलु माल व अदाणी ग्रुप के प्रतिनिधि जल्दी आएंगे गीडा

इस मीटिंग में मौजूद लुलु ग्रुप के प्रतिनिधि ने गीडा में पांच एकड़ में मिनी मॉल खोलने का प्रस्ताव दिया। गीडा प्रशासन की तरफ से इन्हें कालेसर जीरो प्वाइंट पर विकसित होने वाले व्यावसायिक क्षेत्र के बारे में बताया गया। कंपनी के प्रतिनिधि ने बताया कि जल्दी ही जमीन देखने के लिए एक प्रतिनिधि को गोरखपुर भेजा जाएगा। इसके अलावा सेलोटायर ग्रुप की तरफ से गीडा क्षेत्र में एक होटल खोलने का प्रस्ताव दिया गया। कंपनी को इसके लिए 10 एकड़ जमीन चाहिए। गीडा सीईओ ने इन दोनों कंपनियों के प्रतिनिधियों को इसी महीने गीडा आकर जमीन देखने का आमंत्रण दिया।

व्यावसायिक गतिविधियों के लिए बनाएं बेहतर माहौल : एडीएम

विकास भवन सभागार में जिला उद्योग बंधु की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) विनीत कुमार सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन व्यापारियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करा रहा है। समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। व्यापारी भी आगे बढ़कर व्यावसायिक माहौल को अनुकूल बनाए रखें।

व्यावसायिक क्षेत्रों एवं बाजारों में बिजली की निर्बाध व्यवस्था, साफ–सफाई, उचित यातायात प्रबंधन, अतिक्रमण मुक्ति के साथ ही अन्य सभी आवश्यक प्रबंध किए जाएंगे। व्यापारियों ने जीएसटी नवीनीकरण के लिए शिविर लगाने की मांग की। एडीएम ने बताया कि नवीनीकरण की प्रक्रिया ऑनलाइन हो चुकी है। एडीएम ने कहा कि कोई भी मेडिकल स्टोर बिना लाइसेंस के संचालित नहीं होगा। मंडी में नगर निगम की सुविधा का लाभ नहीं मिलने के बावजूद निगम द्वारा गृहकर एवं जलकर लेने पर एडीएम ने नियमानुसार कार्रवाई की बात कही।

कोरोना से जंगः गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कालेज करेगा संभावित कोविड मरीजों की जांच

गोरखपुर। सीएमओ डॉ. आशुतोष कुमार दुबे ने कहा कि अभी कोई नया संक्रमित केस नहीं मिला है। कोरोना के नए वैरिएंट को लेकर घबराने की नहीं, सतर्क रहने की जरूरत है। अधिकांश लोगों को कोरोना से बचाव का टीका लग चुका है। संभावित मरीजों की जांच व इलाज की पूरी व्यवस्था है। केरल में कोरोना के नए केस सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने अपनी तरफ से तैयारियां शुरू कर दी हैं। हालांकि पूर्वांचल में अभी कोई केस नहीं आया है, लेकिन जिला अस्पताल से लेकर बीआरडी मेडिकल कॉलेज तक में जांच की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

मेडिकल कॉलेज के एसआईसी डॉ. राजेश राय ने बताया कि रिजर्व किट हैं और इमरजेंसी व ओपीडी में डॉक्टरों को सलाह दी गई है कि अगर कोई संभावित केस आता है तो उसकी तत्काल जांच कराई जाएगी। जिला अस्पताल में भी इस तरह के जांच के इंतजाम किए गए हैं। कोरोना वायरस के नए सब वेरिएंट जेएन.1 का संक्रमण बढ़ने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। हालांकि, यह वैरिएंट पांच महीने पहले यूरोप में सामने आया था।

विशेषज्ञों का कहना है कि अपने देश में टीका लगने व अन्य कारणों से लोगों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ी है। एम्स में हुए एक सर्वे के अनुसार, पूर्वांचल में 93 प्रतिशत लोगों में एंटीबॉडी बन चुकी है। इसलिए इस नए वैरिएंट को लेकर घबराने की नहीं, बल्कि सतर्कता बरतने की जरूरत है।

93 प्रतिशत लोगों में बन चुकी है एंटीबाडी

एम्स गोरखपुर में कोरोना की तीनों लहरों में अलग–अलग सीरो सर्वे कराए गए। कार्यकारी निदेशक डॉ. सुरेखा किशोर के नेतृत्व में डॉ. प्रदीप और डॉ. रमाशंकर ने सर्वे कार्य पूरा किया।

सर्वे की रिपोर्ट बताती है कि तीसरी लहर के बाद पूर्वांचल के 93 प्रतिशत लोगों में एंटीबॉडी बन चुकी है। इससे पहले दूसरी लहर में 90.5 प्रतिशत और पहली लहर में 73.9 प्रतिशत लोगों में एंटीबॉडी बनी थी। लगातार छह महीने तक एंटीबॉडी उच्च स्तर पर बनी रही। विशेषज्ञों का कहना है कि एंटीबॉडी बने रहने पर संक्रमण का खतरा काफी हद तक कम हो गया है।

आरएमआरसी वैज्ञानिक डॉ. अशोक पांडेय ने कहा कि कोरोना का जो नया वेरिएंट जेएन.1 आया है, वह यूरोपीय देशों में पांच महीने पहले मिला था। वहां से केरल होते हुए देश के विभिन्न हिस्सों में फैल रहा है। अभी जो केस सामने आए है, उसमें वायरस के चलते बहुत अधिक दिक्कतें नहीं आई हैं। केरल में जो मौते हुई हैं, उनमें अभी इसकी जांच होनी बाकी है कि केवल कोरोना के चलते ही मौत हुई, या वे लोग पहले से ही किसी अन्य बीमारी से ग्रसित थे। ऐसा देखा गया है कि जिन लोगों को कोरोना से बचाव का टीका लग चुका है, उनमें नए वैरिएंट का भी प्रभाव अधिक नहीं है।

सीएमओ डॉ. आशुतोष कुमार दुबे ने कहा कि अभी कोई नया संक्रमित केस नहीं मिला है। कोरोना के नए वैरिएंट को लेकर घबराने की नहीं, सतर्क रहने की जरूरत है। अधिकांश लोगों को कोरोना से बचाव का टीका लग चुका है। संभावित मरीजों की जांच व इलाज की पूरी व्यवस्था है। जिला अस्पताल से लेकर उच्च संस्थानों तक में इसकी पूरी व्यवस्था है। अगर किसी को दिक्कत आएगी तो सरकारी अस्पताल में उसे हर तरह की सुविधा दी जाएगी।

अब डोमिनगढ़ में नहीं करना पड़ेगा ट्रेनों को घंटों इंतजार, जनवरी में बन जाएगी तीसरी लाइन

गोरखपुर। तीसरी लाइन को डोमिनगढ़ से खलीलाबाद तक बढ़ाया जाना है। वहीं कुसम्ही से बैतालपुर तक भी तीसरी लाइन बिछेगी। डोमिनगढ़ से खलीलाबाद का खंड लखनऊ डिवीजन में आता है। इस खंड के लिए डीपीआर बन चुका है और अब स्वीकृति के लिए इसे डीआरएम ऑफिस भेजा गया है। गोरखपुर–डोमिनगढ़ के बीच तीसरी रेलवे लाइन के लिए स्लीपर बिछा दिए गए हैं। गिट्टी गिराने के बाद इस पर पटरी बिछाई जाएगी। जनवरी में इस लाइन के तैयार हो जाने की उम्मीद है। इसके बाद गोरखपुर जंक्शन से गोरखपुर कैंट के बीच तीसरी लाइन बिछाई जाएगी। तीसरी लाइन बिछ जाने से ट्रेनों को डोमिनगढ़ स्टेशन पर लाइन क्लीयर के लिए घंटों इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

गोरखपुर स्टेशन से इस वक्त करीब 150 ट्रेन व 40 मालगाड़ियों का प्रतिदिन संचालन हो रहा है। इसके चलते लखनऊ–गोरखपुर–छपरा मेन लाइन ओवरलोड हो गई है। लखनऊ से आने वाली ट्रेनों को लाइन क्लीयर नहीं मिलने के चलते डोमिनगढ़ स्टेशन पर रोकना पड़ता है। गोरखपुर स्टेशन के करीब पहुंचकर आधे से एक घंटे तक का यह इंतजार यात्रियों को बहुत भारी पड़ता है। आसपास के लोग तो वहीं सामान समेत उतर जाते हैं, लेकिन जिन्हें आगे की यात्रा करनी होती है, वे परेशान होते हैं। इस वजह से अक्सर ट्रेन लेट भी हो जाती है। इस समस्या के समाधान के लिए डोमिनगढ़–गोरखपुर जंक्शन–गोरखपुर कैंट–कुसम्ही तक तीसरी लाइन बिछाने का काम चल रहा है। इसमें से अब तक कैंट–कुसम्ही के बीच लाइन बिछाने के बाद ट्रेनों का संचालन शुरू हो गया है। इसके बाद डोमिनगढ़–गोरखपुर जंक्शन के बीच लाइन बिछाई जा रही है।

कम जगह के चलते हो रही है दिक्कत

डोमिनगढ़ से गोरखपुर जंक्शन के बीच का हिस्सा घनी आबादी वाला है। गोरखपुर जंक्शन से आगे बढ़ते ही गोरखनाथ ओवरब्रिज के पास तीसरी लाइन के लिए जगह ही नहीं है। इसलिए यहां ओवरब्रिज के पास ही मेन लाइन में कनेक्ट होगी। डोमिनगढ़ तक कई जगह तीसरी लाइन कभी मेन लाइन के दक्षिण तो कभी उत्तर तरफ से बनाई जाएगी।

डोमिनगढ़–खलीलाबाद के बीच तीसरी लाइन के लिए भेजा गया डीपीआर

तीसरी लाइन को डोमिनगढ़ से खलीलाबाद तक बढ़ाया जाना है। वहीं कुसम्ही से बैतालपुर तक भी तीसरी लाइन बिछेगी। डोमिनगढ़ से खलीलाबाद का खंड लखनऊ डिवीजन में आता है।

इस खंड के लिए डीपीआर बन चुका है और अब स्वीकृति के लिए इसे डीआरएम ऑफिस भेजा गया है। वहां से मंजूरी के बाद इसे वित्तीय स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। वहीं कुसम्ही से बैतालपुर के बीच सर्वे के बाद डीपीआर बन चुका है और इसे वरिष्ठ तकनीकी अफसरों के पास सुझाव के लिए भेजा गया है।

मीड डे मील का हाल, दाल में पानी है या पानी में दाल, रसोई में सिलेंडर पहुंचा रहे बच्चे

इन वायरल वीडियो को संज्ञान में लेते हुए बीएसए उपासना रानी वर्मा ने तत्काल प्रभारी से प्रधानाध्यापिका प्रीति लसह को दोषी मानते हुए निलंबित करते हुए जांच सौरिख बीई ओ सर्वेश यादव को सौंपी है।

सिकंदरपुर। यूपी के कानपुर स्थित कन्नौज सिकंदरपुर कस्बे में हाईवे के किनारे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने बने प्राथमिक विद्यालय में भोजन बनाने के लिए सिलिंडर ढोते हुए बच्चों का एक वीडियो वायरल हुआ है। मिड डे मील में भी गुणवत्ताहीन भोजन देने का भी वीडियो सामने आया है। इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए स्कूल की प्रधानाध्यापिका को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही भ्रष्टाचार की जांच बीईओ सौरिख को सौंपी गई है। प्राथमिक विद्यालय में 64 बच्चे पंजीकृत हैं। विद्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार व अव्यवस्थाओं के कई वीडियो वायरल हुए हैं। इन वायरल वीडियो में घुन युक्त खराब गेहूं के आटे का प्रयोग रोटी बनाने में हो रहा है। साथ ही आलू की सब्जी से आलू गायब थे, बच्चों को चावल के साथ पानी से भरी हुई ग्रेवी परोसी जा रही है।

एक अन्य वीडियो में विद्यालय के बच्चे भारी भरकम सिलेंडर को ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इन वायरल वीडियो को संज्ञान में लेते हुए बीएसए उपासना रानी वर्मा ने तत्काल प्रभारी से प्रधानाध्यापिका प्रीति सिंह को दोषी मानते हुए निलंबित करते हुए जांच सौरिख बीईओ सर्वेश यादव को सौंपी है।

आपसी सामंजस्य की कमी से खुली भ्रष्टाचार की पोल

प्राथमिक विद्यालय में तैनात शिक्षकों व शिक्षामित्रों के बीच आपसी सामंजस्य की कमी के कारण व्याप्त में हो रहे भ्रष्टाचार की पोल खुली। विभागीय सूत्रों की मानें तो यहां तैनात शिक्षामित्र व प्रधानाध्यापिका के बीच मतभेद हैं। इसी के चलते विद्यालय के ही किसी शिक्षक ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। इस संबंध में बीईओ डॉ. विमल तिवारी ने बताया कि मिड डे मील की खराब गुणवत्ता को लेकर रसोइया से पूछताछ की जा चुकी है। सब्जी कम पड़ जाने पर उसमें पानी मिलाकर परोसे जाने की पुष्टि हुई है। बीईओ सौरिख पूरे प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट बीएसए को सौंपेंगे और भी खामियां मिलने पर प्रधानाध्यापिका के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू की जाएगी।

वायरल वीडियो पुराना होने का दावा

सोशल मीडिया पर विद्यालय में व्याप्त अव्यवस्थाओं का जो वीडियो वायरल हो रहे हैं, उनके काफी पुरानी होने का दावा किया जा रहा है। सर्दी का मौसम होने के बाद भी बच्चे ऊनी कपड़ों की बजाय केवल स्कूली ड्रेस में दिखाई जा रहे हैं। पैरों में जूते और मोजे भी नहीं हैं। बीईओ डॉ. विमल तिवारी ने बताया कि यह वीडियो कितना पुराना है और किसने इसे बनाया, इसकी जानकारी किसी के पास नहीं है। लेकिन वीडियो इसी प्राथमिक विद्यालय का है।

एक बच्चे के भोजन पर खर्च होते हैं 5.45 रुपये

भोजन में बनने वाले भोजन में एक बच्चे के भोजन पर शासन लगभग 5.45 रुपये के हिसाब से खाते में भेजती है। इसमें खाद्य सामग्री के अलावा रसोई गैस आदि का व्यय भी इसी में जोड़ा जाता है। परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों का मानना है कि विद्यालय में बनने वाले बच्चों के सामूहिक भोजन के लिए यह धनराशि पर्याप्त है।

मुजफ्फरनगर में जमीन के लिए महिला की धारदार हथियारों से काटकर हत्या, पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। गांव जोली में एक बुजुर्ग महिला की धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी गई। खून में लथपथ महिला का शव बरामद हुआ है। हत्याकांड आधी रात उस समय अंजाम दिया गया जब गैलरी में सोई हुई थी।

घटना के समय महिला का पति शौच के लिए गया हुआ था। मृतका के बेटे की ओर से तीन सगे भाइयों सहित पांच आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया है। हत्याकांड के पीछे जमीन की रंजिश सामने आ रही है। बुजुर्ग महिला की दाएं हाथ की एक अंगुली कटी हुई मिली है।

मुजफ्फरनगर के थाना भोपा क्षेत्र के गांव जोली में देर रात एक हृदय विदारक घटना को अंजाम दिया गया। जौली निवासी कासिम ने बताया कि उसकी बुजुर्ग मां जुबेदा और पिता इदरीश घर की गैलरी में सोए हुए थे। गुरुवार देर रात में लगभग डेढ़ बजे जब उसके पिता घर के तालाब के पास शौच को गए तो बदमाशों ने गैलरी में सो रही उसकी माता पर हमला बोल दिया। पिता अपनी जान बचाने के लिए पेड़ों के पीछे छुप गए। आरोप है कि धारदार हथियारों से हमला कर उसकी माता की हत्या कर दी गई।

कासिम ने इस मामले में अपने तहेरे और चचेरे पांच भाइयों को नामजद कराया है। पुलिस ने कासिम की तहरीर पर नाजिम, युसूफ और यूनुस पुत्रगण अनीस और नूर मोहम्मद व जान मोहम्मद पुत्रगण इस्लाम निवासी गांव जोली थाना भोपा के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव शर्मा का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपितों की तलाश की जा रही है।

डेढ़ बीघा जमीन के रंजिश में बहाया खून

कासिम ने बताया कि पुश्तैनी जमीन का बंटवारा हो गया था, लेकिन उसके पिता के भाइयों पर उनकी डेढ़ बीघा जमीन निकल रही थी। बताया कि डेढ़ बीघा जमीन मांगे जाने से नाराज होकर हमला किया गया। सौभाग्य से उसके पिता बच गए। जबकि उसकी माता की हत्या कर दी गई।

आय से अधिक संपत्ति मामले में पूर्व मंत्री राकेशधर त्रिपाठी को तीन साल की सजा, 10 लाख का जुर्माना भी

प्रयागराज। भाजपा और बसपा सरकार में मंत्री रहे राकेश धर त्रिपाठी के खिलाफ इलाहाबाद जिला न्यायालय की एमपी एमएलए की विशेष अदालत में विचाराधीन आय से अधिक संपत्ति के मामले में फैसला सुनाया गया। आय से अधिक संपत्ति मामले में पूर्व मंत्री राकेशधर त्रिपाठी को तीन साल के कारावास और 10 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनवाई गई है। यह फैसला इलाहाबाद जिला न्यायालय की एमपी–एमएलए कोर्ट ने सुनाया। विशेष अदालत ने 108 पन्नों में पूर्व मंत्री के खिलाफ फैसला दिया।

भाजपा और बसपा सरकार में मंत्री रहे राकेश धर त्रिपाठी के खिलाफ इलाहाबाद जिला न्यायालय की एमपी एमएलए की विशेष अदालत में विचाराधीन आय से अधिक संपत्ति के मामले में शुक्रवार को फैसला सुनाया गया।

18 जून 2013 को सतर्कता अधिष्ठान प्रयागराज परिक्षेत्र के निरीक्षक राम सुभग राम ने उनके खिलाफ मुट्ठीगंज थाने में आय से अधिक संपत्ति मामले में मुकदमा पंजीकृत कराया था। आरोप लगाया गया था कि बसपा सरकार में मंत्री रहते पूर्व मंत्री ने अकूत संपत्ति अर्जित की थी।

मामले की सुनवाई कर रहे विशेष न्यायाधीश डॉ. दिनेश चंद्र शुक्ल की अदालत ने पूर्व मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के अंतर्गत आरोप तय किया था। मामले की सुनवाई के बाद 31 जनवरी 2023 को ही फैसला सुनाया जाना था। लेकिन फैसला सुनाए जाने से पहले ही पत्रवाली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पूर्व मंत्री की पत्नी प्रमिला त्रिपाठी और बेटी पल्लवी त्रिपाठी की आय को भी शामिल करते हुए, मां बेटी को गवाही के लिए तलब किया था। इसके कारण फैसला टल गया था। इसके बाद शुक्रवार को फैसला सुनाया गया।

मथुरा में ढाबे पर कर्मचारी की गोली मारकर हत्या, शव को गाड़ी में डाल गांव के बाहर फेंका, संचालक पर शक

जैंत थाना क्षेत्र के गांव आझई निवासी हरिओम हाई वे स्थित श्रीराधारानी फैमली ढाबे में काम करता था। ढाबे को जैंत निवासी राम ठाकुर किराये पर चलाता है। गुरुवार शाम साढ़े सात बजे हरिओम की ढाबे में गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली उसके सीने में फंस गई और वह जमीन पर गिर गया। शव को गाड़ी में रखकर कुछ दूरी पर स्थित आझई गांव के बाहर फेंककर भाग गए।

संवाद सूत्र, चौमुंहा (मथुरा)। थाना जैंत क्षेत्र में हाईवे स्थित श्रीराधारानी फैमिली ढाबा पर कर्मचारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्यारे उसका शव गाड़ी में डाल ले गए और उसके गांव के बाहर फेंक भाग गए।

जैंत थाना क्षेत्र के गांव आझई निवासी हरिओम हाईवे स्थित श्रीराधारानी फैमली ढाबे में काम करता था। ढाबे को जैंत निवासी राम ठाकुर किराये पर चलाता है। गुरुवार शाम साढ़े सात बजे हरिओम की ढाबे में गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली उसके सीने में फंस गई और वह जमीन पर गिर गया।

हत्या के बाद शव को गाड़ी में रखकर कुछ दूरी पर स्थित आझई गांव के बाहर फेंककर भाग गए। हरिओम की हत्या की सूचना से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। मौके से ढाबा संचालक राम ठाकुर फरार है। पुलिस ने उस पर हत्या का शक जताया है। ढाबे पर सीसीटीवी लगा है। पुलिस ने डीवीआर कब्जे में ले ली है।

पुलिस ढाबा संचालक की तलाश में दबिश दे रही है। एसएसपी ने बताया कि ढाबा संचालक पर स्वजन ने शक जताया है। उसकी तलाश की जा रही है।

हत्या के बाद ढाबे पर साफ किया खून

हरिओम की हत्या के बाद ढाबे पर फैला खून साफ किया गया है। उसे कहीं अस्पताल न ले जाकर सीधे गांव के बाहर फेंक दिया गया। मौके से संचालक फरार हो गया। एसएसपी का कहना है कि इन कारणों से ढाबा संचालक पर शक है। अभी स्वजन ने कोई तहरीर नहीं दी है।

यूपी में इस जगह औद्योगिक गलियारा के लिए चिह्नित की गई 200 एकड़ भूमि

यूपीडा ने खुरचंदा में 150 एकड़ व चकतगे में 54.340 एकड़ चिह्नित की है किसानों की भूमि शासन को भेजी गई रिपोर्ट, आदेश मिलते ही तय होगा मुआवजा व अधिग्रहण की कार्रवा दोनों स्थानों पर उद्योग स्थापित होने से काफी संख्या में लोगों को मिलेगा रोजगाारंमं

संवाद सहयोगी, आजमगढ़। उत्तर प्रदेश सरकार की वन ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था की मुहिम को रफ्तार देने के लिए पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे किनारे औद्योगिक गलियारा बनेगा, जिसके लिए उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने जिले की दो तहसीलों में किसानों की लगभग 200 एकड़ भूमि चिह्नित की है। इसमें फूलपुर तहसील के खुरचंदा में लगभग 150 एकड़ और तहसील सदर के चकतगे में 54.340 एकड़ भूमि शामिल है।

(यूपीडा) ने तीन माह पूर्व चिह्नित भूमि का प्रस्ताव शासन को भेज दिया है, लेकिन अभी तक इस संबंध में कोई प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी है। चिह्नित गांव में किसानों से जमीन खरीदनी होगी। उद्योग स्थापित होने से काफी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा। आदेश मिलते ही भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होगी।

यूपीडा ने चिह्नित की थी जमीन

पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे आने जाने के लिए फूलपुर के खुरचंदा से शुरुआत और सठियांव के पास कनेक्टिविटी मार्ग से जोड़ा तो गया है। सरकार के निर्देश पर खुरचदां व चकतगे गांव में यूपीडा ने भूमि चिह्नित किया था, जिसका प्रस्ताव प्रशासन के माध्यम से शासन को भेजा था। दो वर्ष पहले यह कार्य ब्लाक सठियांव के समेदा गांव में होने वाला था लेकिन वहां अभी कुछ नहीं हो सका है। जबकि, खुरचंदा व चकतगे की रिपोर्ट शासन को भेज दी गई। बस अब अनुमति का इंतजार है। ।आदेश मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निवेशकों को उपलब्ध कराया जाएगा प्लाट

भूमि अधिग्रहण के बाद चिह्नित जमीन पर बुनियादी सुविधाओं का विकास किया जाएगा। उसके बाद निवेशकों को उद्योग स्थापित करने के लिए प्लाट उपलब्ध कराए जाएंगे। पहले वेयरहाउस और लाजिस्टिक उद्योगों को खासतौर पर बढ़ावा दिया जाएगा। औद्योगिक गलियारे में इलेक्ट्रानिक उपकरण, होजरी, खाद्य प्रसंस्करण इकाईयां, दुग्ध प्रसंस्करण, दवा, मशीनरी संयंत्र, आइटी, कृषि उपज आधारित उपज आदि की इकाईयां लग सकेंगी।

खास उत्पादों को मिलेगा बढ़ावा

पूर्वांचल एक्सप्रेव–वे किनारे औद्योगिक गलियारा विकसित होने से माल परिवहन तेजी से होगा। इससे जिले के खास उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा। जिसमें एक जिला एक उत्पाद में चयनित मुबारकपुर रेशमी साड़ी व वस्त्र और निजामाबाद का ब्लैक पाटरी उत्पाद शामिल है। ''पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे के किनारे औद्योगिक गलियारा विकसित करने के लिए यूपीडा की तरफ से किसानों की भूमि चिह्नित की गई है। प्रशासन के माध्यम से प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है लेकिन अभी तक इस संबंध में अगला कोई आदेश नहीं आया है।

आदेश मिलने के बाद किसानों की भूमि का मुआवजा तय होगा। मुआवजा भुगतान के बाद अधिग्रहण की प्रक्रिया और फिर परियोजना पर मूलभूत सुविधाओं का विकास किया जाएगा, जिससे निवेशकों को उद्योग स्थापित करने में किसी प्रकार की दिक्कत न हो।

दर्दनाकः एक साल पहले खोई बेटी, अब दो बेटे... सूना हुआ घर, बिलखते हुए बोली मां– हे रब्बा मैं की करांगी हुण

शाहजहाँपुर। हे रब्बा मैं की करांगी हुण, ये हुन मैनू दोबारा नहीं मिलने। रब्बा मैं तेरा की बिगाड़या, बच्चे खो लए मेरे। जीत सिंह और हरमीत सिंह की मां कर्मजीत का यह करुण क्रंदन उनके घर पहुंचने वाले हर व्यक्ति की आंखें नम कर रहा था। शाहजहांपुर के खुटार में स्कूल जाने के लिए गांव उदरा के पास सड़क किनारे खड़े दो सगे भाइयों को बृहस्पतिवार सुबह स्कूली बस ने चपेट में ले लिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कोहरे के कारण हादसा हुआ। हादसे के वक्त छात्रों के पिता भी मौजूद थे। इधर, चालक मौके से भाग गया।

गांव हरिपुर महोलिया निवासी गुरमेल सिंह के बेटे जीतपाल सिंह (14) और हरमीत सिंह (9) गांव रूरा के संत सुखदेव सिंह हायर सेकंडरी स्कूल में कक्षा नौ और कक्षा दो में पढ़ते थे। बृहस्पतिवार सुबह लगभग साढ़े सात बजे गुरमेल दोनों बच्चों को स्कूटी से स्कूल छोड़ने जा रहे थे। गांव उदरा के पास गुरमेल सड़क किनारे स्कूटी खड़ी कर लघुशंका करने चले गए। उनके दोनों बच्चे स्कूटी के पास ही खड़े थे। इस बीच गांव भूड़ा मैनारी के दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल की बस से स्कूटी में टक्कर लग गई। पास में खड़े दोनों भाइयों को भी बस ने चपेट में ले लिया। हादसे में जीतपाल और हरमीत की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद गुरमेल बदहवास हो गए। इधर, चालक स्कूल बस को बैक कर भाग गया।

कोहरे की वजह से हुआ हादसा

खुटार क्षेत्र से लगभग 25 छात्र–छात्राएं स्कूल आते हैं। घटना के समय लगभग 15 बच्चे बस में रहे होंगे। घने कोहरे के कारण बस स्कूटी से टकरा गई, जिससे बच्चों की मौत हो गई। बस पंजीकृत और अच्छी हालत में है। चालक भी अनुभवी है। हादसे का दुख है।– राकेश यादव, डायरेक्टर, दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, भूड़ा मैनारी, पुवायां

एक वर्ष पहले खोई बेटी, अब दो बेटे... सूना हुआ घर

हे रब्बा मैं की करांगी हुण, ये हुन मैनू दोबारा नहीं मिलने। रब्बा मैं तेरा की बिगाड़या, बच्चे खो लए मेरे। जीत सिंह और हरमीत सिंह की मां कर्मजीत का यह करुण क्रंदन उनके घर पहुंचने वाले हर व्यक्ति की आंखें नम कर रहा था। आठ दिसंबर 2022 को बुखार से बेटी मनप्रीत कौर की जान जाने के बाद 21 दिसंबर को एकसाथ दो बेटों को खो देने पर गुरमेल सिंह और उनकी पत्नी कर्मजीत बेहाल हो गए हैं।शव घर पहुंचने पर कर्मजीत कौर चारपाई पर दोनों पुत्रों के शवों के साथ लिपटकर लेट गईं और सुधबुध खो बैठीं। परिजन और रिश्तेदार उनको संभालने में लगे हैं। गुरमेल सिंह और कर्मजीत कौर की एक बेटी मनप्रीत कौर और दो बेटे जीत सिंह, हरमीत सिंह थे। गुरमेल का एक भाई सुखदेव सिंह भी है जो अलग रहता है। गुरमेल के पिता लखविंदर सिंह और मां स्वर्णकौर सुखदेव सिंह के साथ रहते हैं। गुरमेल सिंह के पास दो से ढाई एकड़ खेती है। वह खेती के साथ ही शादी, पार्टियों में खाना और मिठाई आदि बनाने का काम भी करते हैं। चार दिसंबर 2022 को बड़ी बेटी मनप्रीत कौर की बुखार से मौत हो गई थी। गुरमेल और कर्मजीत ने पुत्री की मौत के बाद खुद को किसी तरह संभाला था। पुत्र जीत सिंह और हरमीत सिंह की मौत की खबर घर पहुंची तो मां कर्मजीत कौर बेसुध हो गई। गुरमेल सिंह पत्नी को सांत्वना देते–देते खुद बेहद गमगीन हो उठते।

चल रही थी अखंड पाठ की तैयारियां

गुरमेल के घर में एक गुरुद्वारा भी है। छोटे साहिबजादों की शहीदी की याद में हर वर्ष दिसंबर में गुरुद्वारा में अखंड पाठ का आयोजन होता है। इस वर्ष भी तैयारियां चल रहीं थीं। 25 दिसंबर को अखंड पाठ का भोग पड़ना था। इस बीच ही गुरमेल के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

गांव की संकरी सड़क भी हादसे की वजह

जिस सड़क पर हादसा हुआ है, वह खुटार–बंडा रोड से निकली लिंक रोड है। बंडा मार्ग से यह रोड हरिपुर महोलिया, टाहखुर्द कलां, चमराबोझी होते हुए खुटार–पुवायां रोड में आकर मिलती है। दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल का बस चालक इसी बस से बच्चे लेकर टाहखुर्द कलां की ओर जा रहा था। रास्ते में उदरा मोड़ से काफी पहले ही हादसा हो गया। जिस सड़क पर हादसा हुआ है, वह काफी संकरी है। बस आदि निकलने पर बाइक सवार को कच्चे में उतरना पड़ जाता है। इसके अलावा घटना के समय बहुत घना कोहरा भी था। गुरमेल सिंह का कहना है कि बस की रफ्तार बेहद तेज होने से हादसा हुआ है। समझा जाता है कि घना कोहरा भी हादसे की वजह बना।

बच्चों को उतारकर भाग निकला चालक

गुरमेल और अन्य प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद चालक बस को आगे गांव टाह खुर्द कलां की ओर ले जाने के बजाय 500 मीटर पीछे चौराहे तक ले गया। दरअसल, बस हादसे के बाद आगे की ओर नहीं जा सकती थी। वहीं हादसे के बाद बस में मौजूद बच्चे भी घबरा गए और चिल्लाने लगे। इस कारण चौराहे पर बस मोड़ने के बाद चालक ने बच्चों को उतार दिया और बस सहित भाग निकला। बस में सवार बच्चों के घर जाकर उनसे संपर्क किया गया, लेकिन अभिभावकों ने बच्चों के घबराए होने की बात कहकर बात कराने से मना कर दिया।

बस की हालत ठीक, चालक भी अनुभवी

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के डारेक्टर राकेश यादव के अनुसार स्कूल बस यूपी 27 एटी 4432 का मॉडल वर्ष 2018 है। बस दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के नाम रजिस्टर्ड है। बस के कागजात भी पूरे हैं। चालक भी अनुभवी है। उन्होंने कहा कि चालक का नाम पुलिस को बताया जाएगा। उनकी संवेदना गुरमेल सिंह और उनके परिवार के साथ है। जांच में पूरा सहयोग किया जाएगा।

स्कूली बस के सारे कागज पूर्ण हैं। हादसे की वजह को जानने के लिए आरआई के द्वारा टेक्निकल मुआयना कराया जाएगा। –शांतिभूषण पांडेय, एआरटीओ प्रवर्तन

स्कूल में किया गया शोकावकाश

दो छात्रों की हादसे में मौत की खबर मिलते ही गांव रूरा के संत सुखदेव सिंह हायर सेकेंडरी स्कूल में बच्चों के लिए प्रार्थना कर अवकाश घोषित कर दिया गया। स्कूल के तमाम शिक्षक और प्रधानाचार्य गुरमेल सिंह के घर पहुंचे और उनके बच्चों की मौत पर गहरा दुख जताते हुए सांत्वना दी। कई अभिभावक भी गुरमेल सिंह के घर पहुंचे और जीत सिंह, हरमीत सिंह की मौत पर दुख जताया।

एक ही चिता पर दोनों भाइयों को दी अंतिम विदा

पोस्टमार्टम के बाद जीत सिंह और हरमीत सिंह के शव देर से घर पहुंच सके। इसके बाद दोनों भाइयों का एक ही चिता पर खेत में अंतिम संस्कार किया गया। पिता गुरमेल सिंह ने दोनों पुत्रों को मुखाग्नि दी। शव घर पहुंचे तो बाबा, दादी, पिता, मां, चाचा सहित तमाम परिजन और रिश्तेदार बिलख उठे। बेहद गमगीन माहौल में भारी संख्या में मौजूद क्षेत्र के लोगों ने दुखी परिजनों को सांत्वना दी। पुत्रों को मुखाग्नि देते समय पिता गुरमेल सिंह बिलख उठे। परिजनों ने उनको किसी तरह संभाला।

मोबाइल में देखी रील... फिर 5वीं के छात्र ने खूंटी से लगा लिया फंदा

कानपुर। यूपी के हमीरपुर जिले में मोबाइल पर रील देखकर पांचवीं के छात्र ने फंदा लगा लिया। जिससे उसकी मौत हो गई। मोबाइल पर यूट्यूब में नमक से जहर बनाना, मौत का आसान तरीका, फंदा लगाकर मौत से बचने की रील्स देख रहा था। इन्ही वीडियो को देखकर उसने कमरे में लगी खूंटी में गमछे से फंदा लगाते हुए बचने वाला तरीका अपनाने लगा। तभी फंदा उसके गला में कस गया। जिससे उसकी मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले से हैरान करने वाली खबर सामने आई। मोबाइल फोन में मौत का आसान तरीका देखकर एक किशोर ने कमरे में लगी खूंटी से गमछे से फंदा लगा लिया। जिससे उसकी मौत हो गई। फंदे में लटकता देखकर परिजन से उतर कर अस्पताल लाएं। जहां डॉक्टरों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया है।

कस्बे के वार्ड संख्या 18 रवींद्रनाथ टैगोर नगर के निवासी अवधेश साहू का पुत्र निखिल उर्फ रज्जू (11) कस्बे के एक पब्लिक स्कूल में कक्षा पांच का छात्र था। पिता ने बताया कि गुरुवार को दोपहर 2 बजे के बाद यह स्कूल से आकर घर में कमरे के अंदर पड़े सोफे में बैठकर मोबाइल देख रहा था। मोबाइल पर यूट्यूब में नमक से जहर बनाना, मौत का आसान तरीका, फंदा लगाकर मौत से बचने की रील्स देख रहा था। इन्ही वीडियो को देखकर उसने कमरे में लगी खूंटी में गमछे से फंदा लगाते हुए बचने वाला तरीका अपनाने लगा। तभी फंदा उसके गला में कस गया। जिससे उसकी मौत हो गई।

पड़ोस से वापस लौटी मां रूबी साहू ने जब बेटे को फंदे पर लटकते देखा तो शोर मचाया। शोर शराबा सुनकर दौड़े परिजन उसे फंदे से उतार कर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। यहां पर डॉक्टर तरुण पाल ने उसे जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। परिजन पुलिस को बगैर सूचित किए शव को लेकर घर लौट गए। अचानक हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

मृतक दो भाई व एक बहन में सबसे बड़ा था। मृतक के पिता अवधेश साहू,मां रूबी,भाई गौरव,बहन तान्या का रो–रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना पाकर बसपा नेता जयकरण सिंह ने घर पहुंच कर परिजनों को ढांढस बंधाया।

स्कूल के प्रबंधक श्रवण सिंह ने बताया कि छात्र होनहार था और नाइंटी प्लस नंबर लाता था। कस्बा इंचार्ज प्रेमचन्द्र मौर्या ने बताया कि उन्हें घटना की कोई सूचना नहीं है। सोशल मीडिया सेल से जानकारी हुई है।

होनहार छात्र था निखिल

मृतक दो भाई व एक बहन में सबसे बड़ा था। पिता अवधेश साहू की बिल्डिंग मैटेरियल की शॉप है। मृतक के पिता अवधेश साहू, मां रूबी, भाई गौरव, बहन तान्या का रो–रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना पाकर बसपा नेता जयकरण सिंह ने घर पहुंच कर परिजनों को ढांढस बंधाया। स्कूल के प्रबंधक श्रवण सिंह ने बताया कि छात्र होनहार था और 90 प्लस नंबर लाता था। वहीं चर्चा यह भी है कि निखिल इस तरह के कंटेंट फोन में क्यों देख रहा था। वहीं परिजन इस मामले में कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं।

पुलिस बोली फनी वीडियो देखा था

– थाना सुमेरपुर के अनुसार परिजनों द्वारा यह भी बताया गया कि बच्चे का मोबाइल चेक किया गया तो यूट्यूब पर उसकी वॉच लिस्ट में आत्महत्या करने की प्रक्रिया संबंधित वीडियो जो की एक फनी वीडियो था। उसको बच्चे द्वारा फॉलो किया गया जिससे फंदे से लटक कर उसकी मृत्यु हुई है। थाना सुमेरपुर पुलिस द्वारा पंचायतनामा की कार्रवाई की गई है।

मोबाइल एडिक्शन का शिकार हो रहे किशोर, उठा रहे आत्मघाती कदम

बढ़ते मोबाइल के चलन में रील का शौक तेजी के साथ बढ़ रहा है। बच्चे से लेकर बूढ़े तक सभी वर्ग के लोग रील देखने व बनाने में दिलचस्पी ले रहे हैं। इसमें मोबाइल की लत बच्चों को भी लग रही है। बच्चे मोबाइल एडिक्शन हो रहे हैं। जिससे आत्मघाती जैसे कदम तक उठा रहे हैं। ऐसा ही मामला सुमेरपुर कस्बे में सामने आया है। इससे पहले भी बच्चों के आत्महत्या के मामले सामने आ चुके हैं।

गूगल फैमिली एप से बच्चे के फोन की कर सकते हैं निगरानी

इसके लिए दोनों प्ले स्टोर से अपने फोन पर गूगल फैमिली लिंक एप और बच्चे के मोबाइल पर फैमिली लिंक चाइल्ड एंड टीन का इंस्टाल कर लें। अपने फोन पर गूगल फैमली को खोले फिर गेट स्टारटेड पर जाएं। इसके बाद गूगल आप्शन चुनें, फिर अकाउंट से पैरेंटिंग का आप्शन चुनें। जिसमें ऑप्शन आएगा डू यू चाइल्ड योर अकाउंट आएगा। जिसमें यस कर दें। फिर सेटिंग में गूगल पर जाकर पैरेंटिंग पर क्लिक करें। इसके बाद बच्चे की फैमिली लिंक चाइल एंड टीन पर जाकर ओपन करें। इसके बाद पैरेंट अकाउंट पर क्लिक करें। इसके बाद अपना पासवर्ड डालकर ओपन करें।

इसके बाद टू स्टेप वेरिफिकेशन पूरा करें। इसके बाद चाइल की डिवाइस में नंबर आएगा। जिसे यस इट्स बी के ऑप्शन पर क्लिक कर डिवाइस से कंफर्म करें। फिर अकाउंट वैरीफाइ करें। इसके बाद चाइल डिवाइस में जाकर गूगल में जाकर नंबर डालेंगे। फिर डिवाइस में डन का ऑप्शन आएगा। प्रक्रिया पूर्ण होने पर चाइल्ड के फोन की सारी गतिविधि देख सकते हैं। दिन के हिसाब से टाइमिंग लगा सकते हैं। यूट्यूब को हाइड कर सकते हैं। एक तरह से बच्चे का फोन अपने आपके इशारे पर चलेगा।

बच्चों को मोबाइल की लत से रखें दूर

जिला अस्पताल की साइकोलॉजिस्ट डॉ. नीता का कहना है कि मोबाइल एडिक्शन के चलते ऐसा बच्चे कदम उठाते हैं। बच्चों को जन्म से ही मोबाइल की लत से दूर रखना चाहिए। अगर बच्चे को घंटे भर के लिए मोबाइल पढ़ाई के लिए दे रहे हैं तो भी उसकी निगरानी रखना चाहिए कि बच्चा पढ़ रहा है या और कुछ देख रहा है।

बिजली बिल नहीं चुकाने पर दी कुर्की की धमकी..

शाहजहाँपुर। बिजली कर्मियों की फटकार के बाद जहर खाकर आत्महत्या करने वाले अवनीश की पत्नी पूनम ने बताया कि मंगलवार को बिजली निगम की टीम आई तो उन्होंने आर्थिक स्थिति का हवाला भी दिया। काफी गुजारिश करने के बाद भी टीम में शामिल सदस्यों का दिल नहीं पसीजा और वे धमकाते रहे।शाहजहांपुर में एक माह पहले कनेक्शन काटने के बाद 61 हजार रुपये बिल जमा नहीं करने पर बिजली निगम की टीम ने ग्रामीण को जेल भेजने की धमकी दी। इससे दहशत में आए ग्रामीण ने जहरीला पदार्थ खा लिया। बुधवार रात राजकीय मेडिकल कॉलेज में उसकी मौत हो गई। सिंधौली थाना क्षेत्र के गांव महाऊदुर्ग निवासी राजेश्वर दयाल का बेटा अवनीश (35) अपने चाचा रामचंद्र के मकान में रहते थे। बिजली का कनेक्शन रामचंद्र के नाम था। बिल जमा नहीं करने के चलते करीब 61 हजार रुपये बकाया हो गया था। पिछले महीने टीम ने आकर कनेक्शन काट दिया। रामचंद्र की कुछ माह पहले मौत हो चुकी है।

कुर्की करने की दी थी धमकी

अवनीश की पत्नी पूनम देवी का आरोप है कि मंगलवार को बिजली निगम की चार सदस्यीय टीम उनके घर आई थी। बिल अदा नहीं करने पर मकान की कुर्की करने और अवनीश को जेल भेजने की धमकी दी। पूनम के अनुसार, टीम के जाने के बाद अवनीश काफी ज्यादा परेशान हो गए। उन्होंने जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत गंभीर होने पर परिजन उन्हें लेकर राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां देर रात उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। वह अपने पीछे बेटे कृष्णा और यक्ष को छोड़ गए हैं।

टीम के सामने की थी गुजारिश

रामचंद्र अविवाहित थे। अकेले होने के चलते भतीजे को परिवार समेत मकान में रख लिया था। अवनीश गांव में मेहनत–मजदूरी करते थे। उनके पास खेती भी नहीं है। मंगलवार को टीम आई तो उसने आर्थिक स्थिति का हवाला भी दिया। पत्नी पूनम के अनुसार, काफी गुजारिश करने के बाद भी टीम में शामिल सदस्यों का दिल नहीं पसीजा और वे धमकाते रहे।

देश में कोरोना ने पकड़ी रफ्तार

केरल में कोरोना से एक और मरीज की मौत हो गई है। केरल में कोरोना से तीन मरीजों की मौत हुई थी। संक्रमण दर अभी 1.19 प्रतिशत है।

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण रफ्तार पकड़ता दिख रहा है। शुक्रवार को देश में कोरोना के 640 नए मामले दर्ज किए गए हैं। जिसके बाद देश में कोरोना के कुल सक्रिय मरीज बढ़कर 2997 हो गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह आंकड़े जारी किए हैं। वहीं केरल में कोरोना से एक और मरीज की मौत हो गई है। बता दें कि गुरुवार को केरल में तीन, कर्नाटक में दो और पंजाब में एक व्यक्ति की कोरोना संक्रमण से मौत हुई थी। संक्रमण दर अभी देश में 1.19 प्रतिशत है।

केरल में बीते 24 घंटे में 265 मामले सामने आए

बता दें कि गुरुवार को देशभर में कोरोना के 358 नए सक्रिय मामले सामने आए थे। इनमें से 300 मामले अकेले केरल राज्य में मिले थे। गुरुवार को देशभर में कोरोना के कुल सक्रिय मामले 2669 थे, जो शुक्रवार को बढ़कर 2997 हो गए हैं। बीते 24 घंटे में केरल में 265 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद राज्य में कुल मामले बढ़कर 2606 हो गए हैं। वहीं कर्नाटक में 13 मामले बढ़कर कुल मामले 105 हो गए हैं।

इन राज्यों में बढ़ रहे कोरोना के मामले

महाराष्ट्र में बीते 24 घंटे में कोरोना के 8 नए सक्रिय मामले मिले हैं, जिसके बाद राज्य में कुल सक्रिय मामले बढ़कर 53 हो गए हैं। गुजरात में 32, गोवा में 16, तमिलनाडु में 104, तेलंगाना में 19 कोरोना के सक्रिय मरीज हैं। हालांकि राज्य सरकारों का कहना है कि घबराने की जरूरत नहीं है और स्वास्थ्य सेवाएं हालात से निपटने के लिए तैयार हैं। हालांकि लोगों को सार्वजनिक स्थलों पर मास्क पहनने की अपील की गई है और कहा गया है कि बीमारी के लक्षण दिखते ही डॉक्टर की सलाह जरूर लें। देश में कोरोना से संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 4,50,07,212 हो गई है। वहीं कोरोना से मरने वालों की संख्या 5,33,328 है। यह आंकड़ा शुक्रवार सुबह 8 बजे तक का है। कोरोना को मात देकर ठीक होने वाले लोगों की संख्या 4,44,70,887 है और रिकवरी दर 98.81 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में अब तक 220.67 करोड़ लोगों को कोरोना वैक्सीन लग चुकी है।

दिल्ली। भारतीय कुश्ती संघ और बृजभूषण शरण सिंह एक बार फिर से चर्चा में हैं। दरअसल, गुरुवार को भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनावों के नतीजे आए। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण के करीबी माने जाने वाले संजय सिंह ने अनीता श्योरण को हराकर अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। इसके बाद ओलंपिक पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक ने कुश्ती से संन्यास लेने का एलान किया। वह इसका एलान करते हुए रो पड़ी थीं। इसके अलावा विनेश फोगाट भी गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने आंसुओं को नहीं छिपा सकी थीं। नए भारतीय कुश्ती संघ अध्यक्ष संजय सिंह और बृजभूषण के खिलाफ पहलवान एक बार फिर एकजुट होने जा रहे हैं और गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसके संकेत दिए हैं।

विनेश फोगाट ने क्या कहा ?

नया भारतीय कुश्ती संघ अध्यक्ष बनने के बाद कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट विनेश ने कहा कि अब जब संजय भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष चुन लिए गए हैं, महिला पहलवानों पर उत्पीड़न का दौर जारी रहेगा। यह कहते ही विनेश की आंखें भर आई थीं। वह बयान देते हुए रो रही थीं। इस दिग्गज पहलवान ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि इस देश में न्याय कहां ढूंढें। विनेश ने कहा– थोड़ी उम्मीद है कि हमें न्याय मिलेगा। भारतीय कुश्ती का भविष्य अंधकार में है और यह देखना दुखद है। हम अपना दुख किसे जाकर बताएंगे। हम अब भी इन सभी मुद्दों से लड़ रहे हैं। इससे पहले पहलवान साक्षी मलिक ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "हम 40 दिनों तक सड़कों पर सोए और देश के कई हिस्सों से बहुत सारे लोग हमारा समर्थन करने आए। अगर बृज भूषण शरण सिंह के बिजनेस पार्टनर और करीबी सहयोगी को कुश्ती संघ का अध्यक्ष चुना जाता है, तो मैं कुश्ती छोड़ती हूं। हमारा समर्थन करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद। लड़ाई पूरे दिल से लड़ी। अगर अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह जैसा आदमी ही रहता है तो मैं अपनी कुश्ती को त्यागती हूं।'

रोते हुए हाल से बाहर गई थी साक्षी

इसके बाद साक्षी पति सत्यव्रत कादियान के साथ रोते हुए चली गईं। बजरंग ने इस दौरान यह भी कहा कि उन्हें अपनी जान का भी खतरा है। उन्होंने यह भी कहा कि यह लड़ाई राजनीतिक नहीं थी। वह विश्वास दिलाते हैं कि आने वाले समय में वह किसी भी राजनीतिक पार्टी के साथ खड़े नजर नहीं आएंगे। साक्षी ने कहा था कि वह एक महिला अध्यक्ष चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वहीं, चुनाव जीतने के बाद संजय ने बृजभूषण से उनके घर पर मुलाकात की थी और बड़ा भाई बताया था। संजय ने कहा था– हमारा रिश्ता और बड़े और छोटे भाई जैसा है। हम एकदूसरे को तब से जानते हैं, जब से हमारे परिवार वाले काशी और अयोध्या में कुश्ती आयोजित करवाते थे।

हर लोकसभा सीट पर हार–जीत में जाट मतदाताओं की अहम भूमिका

सपा के गढ़ में सियासी चौधराहट को धार देंगे योगी

मुरादाबाद। सीएम योगी आदित्यनाथ बिलारी में किसान सम्मेलन के बहाने जाटों पर निशाना साधेंगे। हर लोकसभा क्षेत्र में हार जीत में जाट मतदाताओं की अहम भूमिका रहती है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में मंडल की सभी छह सीटें भाजपा हार गई थी। पहले भाजपा ने चौधरी भूपेंद्र सिंह को प्रदेश की कमान सौंपकर जाट मतदाताओं को साधने की कोशिश की। अब बड़े चौधरी के सहारे जाट मतदाताओं को और पुख्ता करने की तैयारी है। 23 दिसंबर को सीएम योगी आदित्यनाथ बिलारी से सपा के गढ़ में चौधराहट की सियासत को धार देंगे, ताकि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में मुरादाबाद मंडल में 2014 का प्रदर्शन दोहराया जा सके।

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में मोदी लहर में भाजपा गठबंधन ने प्रदेश की 80 में 73 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इसमें मुरादाबाद मंडल की सभी छह सीटें भी शामिल थीं। लेकिन 2019 के चुनाव में भाजपा गठबंधन की सीटें घटकर 64 हो गई। भाजपा को 16 सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था। सपा के गढ़ कहे जाने वाले मुरादाबाद मंडल की सभी छह सीटों पर भाजपा को शिकस्त मिली थी। सपा–बसपा गठबंधन ने छह सीटें जीतकर कब्जा किया था। दोनों दलों ने तीन–तीन सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं 2022 के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा को मंडल की 27 में 17 सीटें हार गई थी।

सियासी उतार चढ़ाव और इंडिया गठबंधन को देखते भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में मंडल में 2014 के प्रदर्शन को दोहराना चाहती है। इसके लिए पार्टी कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। भाजपा ने पश्चिमी यूपी में जाट मतदाताओं को रिझाने के लिए करीब दो साल मुरादाबाद से ताल्लुक रखने वाले चौधरी भूपेंद्र सिंह को भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। वहीं मुरादाबाद और आसपास के जिलों में यादव बिरादरी को देखते हुए करीब महीने भर पहले भाजपा ने सुभाष यदुवंश को पश्चिमी यूपी का प्रभारी बनाया है। सपा–रालोद गठबंधन को देखते हुए भाजपा जाट मतदाताओं को साधने में लगी है। इसके लिए भाजपा चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा अनावरण और किसान सम्मेलन के सहारे सपा के गढ़ में रालोद को घेरने की तैयारी में है।

23 दिसंबर को किसान दिवस पर बिलारी में आयोजित प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम और किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शिरकत करेंगे। इस सम्मेलन के बहाने वह सियासी तीर चलाएंगे। फिलहाल अखिल उत्तर प्रदेश जाट महासभा की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम से सपा और रालोद ने दूरी बना रखी है।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में मुरादाबाद मंडल की सीटों के परिणाम

लोकसभा क्षेत्र विजयी दल पराजित दल जीत का अंतर
मुरादाबाद सपा–6,49,538 भाजपा–5,51,416 98,122
अमरोहा बसपा–6,01,082 भाजपा–5,37,834 63,248
रामपुर सपा–5,59,177 भाजपा–4,49,180 1,09,997
संभल सपा–6,58,006 भाजपा–4,83,180 1,74,826
बिजनौर बसपा–5,56,556 भाजपा–4,86,362 69,941
नगीना बसपा–5,68,378 भाजपा–4,01,546 1,66,832

किसी लोकसभा क्षेत्र में कितने जाट मतदाता

लोकसभा क्षेत्र–– जाट मतदाता
मुरादाबाद 1 लाख
अमरोहा 2 लाख
संभल 1.25 लाख
रामपुर 1.25 लाख
बिजनौर 3 लाख
नगीना 1.25 लाख

नोट : आंकड़े अनुमानित है। रामपुर में जाटों में सिख जाट भी शामिल हैं।

बिलारी में दो साल पहले हुआ था प्रदेश स्तरीय सम्मेलन

बिलारी में दो साल पहले अखिल उत्तर प्रदेश जाट महासभा का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन हुआ था। सम्मेलन में प्रदेशभर के जाट समुदाय के लोगों ने शिरकत किया था। इसमें गांव ढकिया नरू के रहने वाले जितेंद्र सिंह को महासभा का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया था।

पहले बिलारी–मुरादाबाद मार्ग पर तलाशी ग थी भूमि

पहले बिलारी–मुरादाबाद और बिलारी–सिरसी मुख्य सड़क मार्ग पर प्रतिमा स्थापित करने के लिए भूमि तलाशी गई थी। यहां उपयुक्त भूमि न मिलने पर प्रदेश अध्यक्ष के गांव के पास ही चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा बनवाई गई। प्रतिमा स्थल परिसर में ही जाट भवन, वृद्ध आश्रम और ऑडिटोरियम भी होगा।

महिला ने तीन बच्चों को जहर देकर खुद भी पीया...

उन्नाव। उन्नाव में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक महिला ने अपने तीन बच्चों को जहर दे दिया। इसके बाद खुद भी जहर पी लिया। महिला की मौत हो गई। तीनों बच्चों का कानपुर हैलट में इलाज चल रहा है। परिजनों ने महिला को मानसिक बीमार बताया है।

तहसीलदार और एसओ ने जांच की है। उन्नाव के बिहार थाना क्षेत्र के भदेवरा गांव में तीन बच्चों को मां ने पानी में कीटनाशक मिलाकर पिलाने के बाद खुद पी लिया। महिला की मौत हो गई, जबकि तीनों बच्चे कानपुर हैलट में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। भदेवरा गांव में गुरुवार सुबह करीब नौ बजे घटना हुई। इस दौरान घर में मां और बच्चे ही थे।

बच्चों को उल्टी होने और रोना सुनकर पड़ोसी युवक मौके पर पहुंचा और मजदूरी करने गए महिला के पति को फोन कर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों को जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। बीघापुर तहसील के बिहार थानाक्षेत्र में भदेउरा गांव निवासी जगमोहन कुरील खेती और मजदूरी करता है।

पत्नी केतकी (33) दो साल से मानसिक बीमार चल रही थी। गुरुवार सुबह 7:30 बजे जगमोहन अपनी वृद्ध मां धुन्नन के साथ खेत गया था। घर में केतकी व बच्चों में बेटी महक (9), मानवी (3) और बेटा आर्यन (6) थे।

करीब नौ बजे केतकी ने गेहूं में डालने वाला कीटनाशक (सल्फास) निकाला और उसे पानी में मिलाकर पहले महक, फिर मानवी और फिर आर्यन को पिलाया और फिर खुद भी पी लिया। कुछ ही देर में बच्चों की हालत बिगड़ गई। इस दौरान पड़ोसी नितिन पहुंचा और जगमोहन को सूचना दी।

घटना की सूचना पर तहसीलदार अरसला नाज और थानाध्यक्ष शिवप्रकाश पांडेय मौके पर पहुंचे और जांच की। जिला अस्पताल पहुंची बारासगवर थानाक्षेत्र के अल्लीपुरवा गांव निवासी मृतका केतकी की मां राजकुमारी पत्नी मनईया ने ससुरालीजनों पर कोई आरोप नहीं लगाया।

बताया कि करीब दो साल पहले बेटी का गर्भपात हुआ था। तब से वह मानसिक बीमार रहती थी। उसका इलाज चल रहा था। तहसीलदार और थानाध्यक्ष के निरीक्षण में घर के अंदर जिस बखारी से गेहूं भी निकले मिले वहां कपड़ा भी पड़ा मिला। जिसमें कीटनाशक को बांधकर गेहूं में डाला गया था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम हाउस में रखवाया है।

पत्नी के मानसिक बीमार होने पर दुबई से लौट आया था जगमोहन

पति जगमोहन पहले दुबई में नौकरी करता था।

दो साल पहले पत्नी की हालत बिगड़ने पर वह नौकरी छोड़कर लौट आया था। जगमोहन ने बताया कि उसके पास दस बिसुआ खेती है। वह पत्नी का इलाज कराने के साथ झाड़–फूंक भी करा रहा था। बताया कि तीनों बच्चे स्कूल जाते हैं। महक कक्षा तीन, आर्यन कक्षा दो और मानवी एलकेजी की छात्रा है। तीनों एक निजी स्कूल में पढ़ते हैं। गुरुवार को पत्नी ने बच्चों को स्कूल भी नहीं भेजा।

लालमन खेड़ा गांव जैसी घटना

बारासगवर थानाक्षेत्र के लालमन खेड़ा गांव में 19 नवंबर को वीरेंद्र कुमार पासवान के बेटे मयंक (9), बेटी हिमांशी (8), हिमांक (6) और मांशी (4) के शव घर की कोठरी में मिले थे। शवों के ऊपर फर्राटा पंखा पड़ा था। इस पर सभी ने करंट से मौत की आशंका जताई थी। हालांकि परिजनों ने प्रेम प्रसंग में पिता वीरेंद्र द्वारा ही जहर देने की बात कही थी। बाद में पिता वीरेंद्र ने बच्चों को कीटनाशक देने गला दबाकर हत्या करने की बात कबूली थी। हालांकि फॉरेंसिक लैब से आई विसरा की जांच रिपोर्ट में जहर की पुष्टि नहीं हुई है। पिता के कबूलनामे को पुलिस सभी बिंदुओं पर फिर से जांच कर रही है। इस वारदात के करीब माहभर बाद ही ऐसी घटना चर्चा का विषय बनी है।

अव्वल डांसर...शानदार कलाकार 'हीरो नंबर 1' का फिल्मी सफर

गोविंदा ऐसे बने बालीवुड के सुपरस्टार

एंटरटेनमेंट डेस्क। अव्वल डांसर...शानदार कलाकार, यह दोनों शब्द 90 के दशक के अभिनेता गोविंदा पर बिल्कुल सटीक बैठते हैं। संघर्ष पथ पर पूरे लगन के साथ तत्परता से आगे बढ़ते हुए चीची ने मनोरंजन जगत में अपनी अलग पहचान बनाई। साथ ही मेहनत के दम पर ही वह इंडस्ट्री के सुपरस्टार बन पाए। गोविंदा उन सितारों में से एक हैं, जो यह साबित करते हैं कि सफल बनने के लिए शॉर्ट कट कोई जरिया नहीं होता। अभिनेता ने जीवन में आने वाले हर उतार–चढ़ाव और परिस्थितियों का बखूबी सामना किया, यही कारण रहा कि वह ऐसे चमके कि चारों तरफ उनकी रोशनी ने प्रकाश कर दिया। 21 दिसंबर, 1963 को जन्में इस कलाकार का आज जन्मदिन है। तो आइए गोविंदा के खास दिन पर उनके जीवन से जुड़े कुछ पहलुओं पर गौर फरमा लेते हैं–

बॉलीवुड इंडस्ट्री के हीरो नंबर वन यानी गोविंदा आज 60 वर्ष के हो गए हैं। गोविंदा को अपने बेहतरीन अभिनय और शानदार डांस के साथ–साथ अपनी परफेक्ट कॉमिक टाइमिंग के लिए भी जाना जाता है। गोविंदा ने 90 के दशक में 'कुली नंबर 1' से लेकर 'हद कर दी आपने' जैसी बेहतरीन कॉमेडी फिल्में दी हैं, जिन्हें देखकर आज भी आप खुद को हंसने से नहीं रोक पाएंगे। 80 और 90 के दशक में गोविंदा का सितारा बुलंद था। वह जिस फिल्म को हाथ लगाते थे, वह बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर हो जाती थी। गोविंदा उस वक्त पर तीनों खान को अकेले टक्कर देते थे, और अपनी फिल्मों की सफलता से दर्शक समेत समीक्षकों को भी दंग कर देते थे। वह लड़का जिसे 21 वर्ष की उम्र में कोई नहीं जानता था, वह 22 की उम्र में 50 फिल्में साइन कर चुका था। जानकारी के अनुसार, गोविंदा ने अपने फिल्मी करियर में 165 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। साथ ही अपनी प्रतिभा के दम पर कई पुरस्कार और सम्मान से भी नवाजे जा चुके हैं। गोविंदा के पिता अरुण कुमार अहूजा अपने दौर के एक मशहूर कलाकार थे। उन्होंने 30–40 फिल्मों में काम किया था। वहीं, गोविंदा की मां निर्मला देवी शास्त्रीय गायिका थीं, जो फिल्मों के लिए गीत गाया करती थीं। गोविंदा कॉमर्स में ग्रेजुएट हैं, और अभिनेता बनने से पहले वह कई जगह नौकरी की तलाश कर रहे थे। 80 के दशक में उन्हें सबसे पहले एलविन नाम की एक कंपनी का विज्ञापन मिला और इसके बाद वे फिर कभी नहीं रुके। वर्ष 1986 में उनकी पहली फिल्म 'इल्जाम' रिलीज हुई, और वे रातोंरात सुपरस्टार बन गए। गोविंदा ने इंडस्ट्री को 'राजा बाबू', 'कुली नम्बर 1', 'दीवाना मस्ताना', 'बड़े मिया छोटे मिया', 'हीरो नम्बर 1', 'साजन चले ससुराल', 'दुलारा', 'शोला और शबनम', 'दूल्हे राजा' और 'हसीना मान जाएगी' समेत कई शानदार फिल्में दी हैं। इसके साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री को कई हिट डांस नंबर भी दिए हैं, जिनमें 'यूपी वाला ठुमका' और 'किसी डिस्को में जाएं' प्रमुख है। गोविंदा आज कल बेहद कम ही फिल्मों में नजर आते हैं। हालांकि, रिपोर्ट्स के अनुसार गोविंदा आज भी करोड़ों की कमाई कर रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो, गोविंदा एक फिल्म के लिए दो से तीन करोड़ रुपये बतौर फीस चार्ज करते हैं। इसके साथ ही अभिनेता विज्ञापन और अन्य काम कर सालाना 10 से 12 करोड़ रुपये की कमाई कर लेते हैं। इसके अलावा उनके आलीशान बंगले की कीमत तकरीबन 16 करोड़ रुपये आंकी गई है। साथ ही अभिनेता फोर्ड एंडेवर और मित्शुबिशी लांसर समेत कई और लग्जरी गाड़ियों के मालिक हैं। जानकारी के अनुसार, गोविंदा की कुल संपत्ति 170 करोड़ रुपये है।

रोमांटिक हुई 'इश्कबाज' की गौरी

शादी से पहले इन दोनों सितारों ने प्री–वेलडग फंक्शंस को जमकर एन्जाय किया. हल्दी और मेहंदी सेरेमनी के बाद इन दोनों सितारों के संगीत का इनसाइड वीडियो वायरल हो रहा है. जिसमें ये दोनों सितारों एक दूसरे के साथ रोमांटिक डांस करते नजर आए।

दिल्ली। 21 दिसंबर को शादी के बंधन में बंध गई। लेट नाइट इन दोनों की संगीत सेरेमनी हुई. जिसमें इन दोनों ने एक साथ रोमांटिक डांस किया. इस रोमांटिक डांस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जो उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है. श्रेनु पारिख 21 दिसंबर को लॉग टाइम ब्वॉयफ्रेंड अक्षय म्हात्रे के साथ शादी के बंधन में बंध गई. शादी से पहले इन दोनों सितारों ने प्री–वेडिंग फंक्शंस को जमकर एन्जॉय किया. हल्दी और मेहंदी सेरेमनी के बाद इन दोनों सितारों के संगीत का इनसाइड वीडियो वायरल हो रहा है. जिसमें ये दोनों सितारों एक दूसरे के साथ रोमांटिक डांस करते नजर आए.

संगीत सेरेमनी में श्रेनुडार्क पर्पल कलर का शिमरी लहंगा चोली पहने नजर आईं. एक्ट्रेस ने गले में डायमंड का नेकलेस और कान में चमचमाते हुए डायमंड के इयररिंग्स पहने. इसके साथ ही सटल मेकअप के साथ बालों को बांधा. वहीं अपनी होने वाली वाइफ से मैचिंग करते हुए अक्षय व्हाइट कलर की शर्ट, व्हाइट कोट के साथ ब्लैक पैंट पहने दिखे. ये दोनों एक साथ एक दूसरे को कॉम्प्लीमेंट कर रहे थे.

संगीत में हुए रोमांटिक

संगीत सेरेमनी में ये दोनों स्टेज पर एक साथ परफॉर्म करते नजर आए. वो रंग भी क्या रंग है...गाने पर इन दोनों ने जमकर डांस किया. इस दौरान दोनों रोमांटिक मूड में नजर आए. इसके साथ ही दोनों की केमिस्ट्री भी दमदार लगी.

मां के साथ भी किया डांस

इस मौके पर श्रेनु ने अपनी मां के साथ भी प्यार भरी परफॉर्मेंस दी. इन दोनों की इस प्यार भरी परफॉर्मेंस का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. आप भी देखिए...

हल्दी मेहंदी में की जमकर मस्ती

श्रेनु ने हल्दी और मेहंदी सेरेमनी की फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं. जिसमें ये दोनों सितारों एक दूसरे के साथ जमकर मस्ती करते हुए नजर आए. फोटोज में दोनों ग्रीन कलर के आउटफिट में दिखे. इसके साथ ही दोनों की हल्दी सेरेमनी एक साथ की गई. आपको बता दें, श्रेनु और अक्षय की शादी की तैयारियां काफी दिन से चल रही हैं. लगातार इन दोनों की शादी के प्री–वेडिंग फंक्शन भी चल रहे है जिसमें इन दोनों के रिश्तेदार और करीबी दोस्त शामिल हुए. इन दोनों की लव स्टोरी टीवी शो के सेट से शुरू हुई थी।

40 साल की हुईं एक्ट्रेस करिश्मा

17 साल की उम्र में शुरू किया एक्टिंग करियर

21 दिसंबर 1983 को जन्मी 'स्कूप' स्टार के साल 2023 काफी शानदार रहा. वेब सीरीज 'स्कूप' में उनके अभिनय को सराहा गया. एक्ट्रेस ने अपनी एलक्टग के दम पर इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना है. 17 साल की उम्र में टेलीविजन से अपना करियर शुरू करने वाली करिश्मा तन्ना का करियर कई उतार–चढ़ाव से भरा है.

दिल्ली। करिश्मा तन्ना 40 साल की हो गईं. करिश्मा तन्ना ने 2001 में 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से टेलीविजन पर डेब्यू किया था. 17 साल की उम्र में डेब्यू के बाद से करिश्मा ने अपनी एक्टिंग से लगातार दर्शकों का मनोरंजन किया है. अपने अलग–अलग किरदारों से करिश्मा ने इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है. एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना आज अपना 40वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं. 21 दिसंबर 1983 को जन्मी 'स्कूप' स्टार के साल 2023 काफी शानदार रहा. वेब सीरीज 'स्कूप' में उनके अभिनय को सराहा गया. एक्ट्रेस ने अपनी एक्टिंग के दम पर इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है. 17 साल की उम्र में टेलीविजन से अपना करियर शुरू करने वाली करिश्मा तन्ना का करियर कई उतार–चढ़ाव से भरा है. करिश्मा तन्ना ने 17 साल की उम्र में टेलीविजन सीरियरल 'क्योंकी सास भी कभी बहू थी' के साथ अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की. हिंदी टेलीविजन, वेब सीरीज और फिल्मों के साथ करिश्मा ने साउथ की फिल्मों में भी काम किया है. हालांकि, करिश्मा तन्ना का फिल्मी करियर कुछ खास नहीं रहा. करिश्मा अपने फिल्मी करियर की असफलता के लिए अपनी किस्मत को जिम्मेदार मानती हैं. उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि उनकी लंबी ऊंचाई और टेलीविजन पर उनके अत्यधिक एक्सपोजर के कारण उन्हें फिल्मी भूमिकाओं से खारिज कर दिया गया था. कास्टिंग से जुड़े लोगों ने उनसे कहा था कि जब दर्शक उन्हें टीवी पर मुफ्त में देख सकते हैं तो वे उनकी फिल्मों पर पैसे क्यों खर्च करेंगे?

हिमाचल की कबड्डी स्टार को मिलेगा देश का दूसरा बड़ा खेल पुरस्कार

नाहन। हमाचल के सिरमौर जिला के शिलाई विधानसभा क्षेत्र शिरोग की बेटी व भारतीय महिला कबड्डी (प्दकपंद ूवउमद इंककप) टीम की कप्तान रितु नेगी को अर्जुन अवॉर्ड (।तरनदं ूंतक 2023) के लिए चुना गया है। उनके चयन से जिला सिरमौर में खुशी की लहर है। बता दें कि रितु नेगी के नेतृत्व में भारतीय महिला कबड्डी टीम ने चीन में आयोजित हुए एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था।

अर्जुन अवार्ड के लिए चुनी गईं रितु नेगी

रितु नेगी ने चीन में भारत का दमखम दिखाया था और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया था। खेल मंत्रालय की ओर से बुधवार को 2023 के अर्जुन अवॉर्ड की घोषणा हुई। जिसमें रितु नेगी का नाम भी शामिल है। बातचीत में भारतीय टीम की कप्तान रितु नेगी ने कहा कि अर्जुन अवॉर्ड (।तरनदं ूंतक जव त्पजन छमहप) जितना प्रत्येक खिलाड़ी का सपना होता है। प्रत्येक खिलाड़ी को अपने अपने खेल में जीत के लिए भरपूर कोशिश करनी चाहिए।

9 जनवरी 2024 को होगा राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों का आयोजन

रितु नेगी ने कहा कि अर्जुन अवॉर्ड की सूचना मिलने से वह और उसके परिजन बहुत खुश हैं। बता दें कि रितु नेगी इन दिनों अपने मायके शिरोग गांव में आई हुई है। राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के लिए विशेष आयोजन 9 जनवरी 2024 को होना है।

रितु ने जिताया गोल्ड से लेकर सिल्वर तक हर मेडल

रितु नेगी के नेतृत्व में वर्ष 2008 सीनियर नेशनल वीमेन कबड्डी में गोल्ड मेडल, एशियन गेम्स 2011 में जूनियर महिला गेम्स में भी भारत को गोल्ड मेडल जीता हैं। वर्ष 2012 में सीनियर नेशनल वीमेन कबड्डी में गोल्ड मेडल वर्ष, 2013 में सीनियर नेशनल कबड्डी वूमेन में गोल्ड मेडल, वर्ष 2015, 16, 17 में नेशनल वूमेन कबड्डी में गोल्ड मेडल, वर्ष 2018 में सीनियर नेशनल वीमेन कबड्डी में सिल्वर मेडल, वर्ष 2019 सीनियर नेशनल वीमेन में गोल्ड मेडल जीता है।

मेडल्स से भरी है रितु नेगी की टीम की झोली

नेशनल गेम्स में गोल्ड मेडल 2007 व 2009 जूनियर नेशनल में गोल्ड मेडल ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी 2011 में गोल्ड मेडल जीता हैं। 2018 में जकार्ता में खेले गए एशियन गेम्स में बतौर रेडर खेलते हुए रितु ने रजत पदक दिलाया था। नेपाल में वर्ष 2019 में आयोजित एशियाई गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम की सदस्य भी रितु नेगी रही है। रितु नेगी ने कबड्डी का प्रशिक्षण बिलासपुर स्थित साइ स्पोर्ट्स हॉस्टल से लिया है, वर्तमान में रितु नेगी रेलवे में कार्यरत हैं।

मुंबई: अभ्यास सत्र के दौरान साथी खिलाड़ियों के साथ मजाकिए मूड में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर।

आग बबूला हुए फैंस के रिएक्शन वायरल

फ्रेंचाइजी पर जमकर निकाली भड़ास

मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाकर आ पीएल 2024 के लिए हूदक पांड्या को टीम का नया कप्तान चुना है। ऐसे में टीम ने इस बात पर सफा देते हुए कहा कि हूदक की कप्तानी भविष्य की प्लालनग का हिस्सा है। ऐसे में रोहित शर्मा के फैंस ने फ्रेंचाइजी पर जमकर भड़ास निकाली। गुरुवार को सोशल मीडिया पर त्वीपज स्मंअम डप्ट्रेंड करता रहा।

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। आईपीएल में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने हार्दिक पांड्या को टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है। जब से फ्रेंचाइजी ने यह घोषणा की है। तब से रोहित शर्मा के फैंस एमआई पर अपनी जमकर भड़ास निकाल रहे हैं। गुरुवार को भी सोशल मीडिया पर फैंस रोहित शर्मा से कप्तानी छीनने का विरोध किया।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

सनराइजर्स हैदराबाद ने पैट कलमस को खरीदने के लिए क्यों लुटाए 20.5 करोड़? अनिल कुंबले ने बताई वजह

विश्व कप विजेता कप्तान इयोन मॉर्गन का मानना है कि कमिंस को ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय टीम के कप्तान के रूप में हाल में मिली सफलता का श्रेय मिला है।

स्पोर्ट्स डेस्क। पूर्व भारतीय कप्तान और कोच अनिल कुंबले का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के विश्व कप विजेता कप्तान पैट कमिंस को उनके कैप्टेंसी स्किल के लिए आईपीएल नीलामी में इतनी भारी राशि मिली है। सनराइजर्स हैदराबाद ने कमिंस को 20.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। कमिंस के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के अलावा मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और चेन्नई सुपर किंग्स ने भी बोली लगाई थी। इसी वजह से बोली इतनी ऊपर पहुंची।

कुंबले ने कहा, 'यह सच में बहुत ज्यादा कीमत है। 20 करोड़ रुपये के पार बोली जाने की उम्मीद नहीं थी। हमें पता था कि वह अधिक कीमत में बिकेंगे, लेकिन 20 करोड़ रुपये पाकर उन्होंने रिकॉर्ड बनाया है।' कमिंस आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे बिकने वाले खिलाड़ी बन गए थे, लेकिन जल्द ही उन्हें हमवतन मिचेल स्टार्क को पीछे छोड़ दिया। स्टार्क को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 24.75 करोड़ रुपये में आईपीएल नीलामी में खरीदा।

उन्होंने कहा, 'सनराइजर्स को शायद कप्तान की तलाश है और यही कारण हो सकता है कि कमिंस को खरीदने के लिए बेताब दिखे। शायद आरसीबी भी लंबे समय से कप्तान की तलाश में थी। पैट कमिंस को शुभकामनाएं। तीन ट्राफियां, लेकिन यह उन सब में सबसे बेहतरीन चीज रही।

विश्व कप विजेता कप्तान इयोन मॉर्गन का मानना है कि कमिंस को ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय टीम के कप्तान के रूप में हाल में मिली सफलता का श्रेय मिला है। मॉर्गन ने कहा, 'पैट कमिंस जिस तरह के गेंदबाज हैं और पिछले डेढ़ साल में उन्हें जो सफलता मिली है, वह शानदार है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतने वाली टीम की कप्तानी करने के अलावा एक गेंदबाज के तौर पर इंग्लैंड में एशेज बरकरार रखने में उन्होंने मदद की। फिर ऑस्ट्रेलियाईटीम को एक और वनडे विश्व कप दिलाया।

मॉर्गन ने कहा, 'कमिंस को इतनी बड़ी राशि उनके हालिया फॉर्म और आत्मविश्वास को देखकर भी मिली है। यह डिमांड–सप्लाई का भी मुद्दा है। कुछ टीमें न केवल कप्तान के रूप में बल्कि चेंजिंग रूम में भी लीडरशिप रोल की तलाश में हैं। इसलिए पैट कमिंस पूरी तरह से अपनी कीमत को सही ठहराते हैं।' फिलहाल सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान एडेन मार्करम हैं। हालांकि, उनकी टीम का पिछले सीजन प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। टीम 14 मैचों में चार जीत और 10 हार के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर रही थी।

'सनराइजर्स को शायद कप्तान की तलाश है और यही कारण हो सकता है कि कलमस को खरीदने के लिए बेताब दिखे। शायद आरसीबी भी लंबे समय से कप्तान की तलाश में थी। पैट कलमस को शुभकामनाएं। तीन ट्राफियां, लेकिन यह उन सब में सबसे बेहतरीन चीज रही।
विश्व कप विजेता कप्तान इयोन मश्वर्गन का मानना है कि कलमस को आस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय टीम के कप्तान के रूप में हाल में मिली सफलता का श्रेय मिला है। मार्गन ने कहा, 'पैट कलमस जिस तरह के गेंदबाज हैं और पिछले डेढ़ साल में उन्हें जो सफलता मिली है, वह शानदार है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतने वाली टीम की कप्तानी करने के अलावा एक गेंदबाज के तौर पर इंग्लैंड में एशेज बरकरार रखने में उन्होंने मदद की। फिर आस्ट्रेलियाई टीम को एक और वनडे विश्व कप दिलाया।